घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 14- सोमवार 16- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

देशभर में छठ-पूजा...डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

दिल्ली में सीएम रेखा गुप्ता,यूपी के लखनऊ में योगी ने की पूजा

नई दिल्ली,15 नवम्बर 2026। देशभर में महापर्व छठ पर व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की। वहीं, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार क्लब में सूर्य को अर्घ्य दिया। उनके साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे। छठ पूजा के लिए दिल्ली में करीब 1400 घाट पर तैयारियां की गई हैं। भीड़ को देखते हुए रविवार दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक यमुना घाटों से सटे रास्तों के पास रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश-विदेश से 50 लाख से ज्यादा लोग घर लौटे हैं। दिल्ली सरकार ने छठ पूजा पर 16 नवंबर को छुट्टी का ऐलान किया है।

दिल्ली में आज सुबह डेढ़ घंटे पहले से शुरू हो जाएंगी मेट्रो

छठ पूजा के आखिरी दिन यानी आज श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो सुबह 4:30 बजे से चलना शुरू हो जाएगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने उगते सूर्य को अर्घ्य देने जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यह फैसला लिया है। आम दिनों में मेट्रो सेवा सुबह 6 बजे शुरू होती है।

अगरतला के त्रिपुरा में छठ पूजा

अगरतला के त्रिपुरा में श्रद्धालु छठ पूजा मनाने के लिए शहर नदी किनारे इकट्ठा हुए। डूबते सूरज को अर्घ्य दिया और परिवार की सेहत, खुशहाली और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।



दिल्ली सीएम ने कहा...छठी मैया पीएम मोदी को आशीर्वाद दें...

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा...यह बहुत ही शुभ दिन है। एक खुशी का मौका। पूर्वांचल इलाके के हमारे लाखों भाई-बहन,जो दिल्ली में रहते हैं और जिनके योगदान से शहर चलता है,वे यहां यमुना घाटों पर एक साथ छठ का महापर्व मना रहे हैं। मैं छठी मैया के चरणों में प्रार्थना करती हूं कि वे हम सभी पर भारत के लोगों और दिल्ली के निवासियों पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दें,ताकि उनके नेतृत्व में,हम एक विकसित भारत और एक विकसित दिल्ली बना सकें, और हर परिवार को समृद्धि और खुशी मिले।

दिल्ली के आया नगर में श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

चार दिवसीय छठ पूजा के तीसरे दिन रविवार,15 नवंबर को श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया। दिल्ली के आया नगर में श्रद्धालु पानी में खड़े होकर सूर्य देव की पूजा करते नजर आए।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में रविवार को छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु प्रदूषित यमुना नदी के किनारे जुटे। यहां लोगों ने नदी के किनारे पूजा-अर्चना की और छठ की रस्में निभाईं। अरुणाचल प्रदेश के निरजुली में छठ पूजा के दौरान रविवार को सैकड़ों श्रद्धालु निरजुली नदी के किनारे जुटे। बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ स्थानीय निवासियों ने भी पूजा में हिस्सा लिया। इस दौरान महिला और पुरुष नदी में खड़े होकर फलों और अन्य पूजन सामग्री के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य देते नजर आए। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए पूजा-अर्चना की।

छठ पूजा में संतान की खुशहाली के लिए महिला ने की विशेष पूजा : पश्चिम बंगाल के कोलकाता में छठ पूजा के दौरान एक महिला सड़क पर लेटकर विशेष धार्मिक रस्म निभाती हुई। इस दौरान उसके पास एक बच्चा भी लेटा हुआ है। यह रस्म संतान की खुशहाली और आशीर्वाद पाने के लिए की जाती है।

बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा,लाखों लोगों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया; पटना में घाट सजाने गए 3 युवक डूबे

महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं,भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की।पटना के मिर्जापुर गांव में घाट की सजावट करने गए चार युवक पुनपुन नदी में डूब गए। एक को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया है। 3 अभी भी लापता है। इनकी तलाश जारी है। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली,मुंबई,बेंगलुरु,चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन,10 लाख लोग हवाई जहाज,बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं।



लखनऊ में सीएम योगी और डिप्टी सीएम ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की। दोनों नेताओं ने लक्ष्मण मेला मैदान के घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना की।

गुवाहाटी में श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया संध्या अर्घ्य

असम के गुवाहाटी में छठ पूजा के दौरान रविवार को श्रद्धालुओं ने विभिन्न घाटों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा-अर्चना की।

खरना के बाद शुरू होता है 36 घंटे का निर्जला व्रत

छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला कठिन व्रत है। इसका दूसरा दिन खरना कहलाता है। खरना के दिन व्रती सुबह से शाम तक उपवास रखते हैं। शाम को सूर्यास्त के बाद पूजा की जाती है और प्रसाद तैयार किया जाता है। परंपरा के अनुसार, इस दिन गाय के दूध और गुड़ से खीर बनाई जाती है। इसके साथ रोटी और अन्य पारंपरिक पकवान भी प्रसाद के रूप में तैयार किए जाते हैं। व्रती पूजा के बाद प्रसाद खाते हैं। इसके बाद करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है। इस पूजा में बांस की टोकरी और सूप में फल, नारियल, गन्ना, ठेकुआ और दूसरे पारंपरिक प्रसाद रखे जाते हैं। ठेकुआ छठ पूजा का प्रमुख प्रसाद माना जाता है। संध्या अर्घ्य के बाद भी व्रती रातभर निर्जला उपवास जारी रखते हैं। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ चार दिनों तक चलने वाला छठ महाव्रत पूरा होता है।

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग,2 शूटर अरेस्ट....

एक्टर पर सिख विरोधी बयान देने का आरोप

अमृतसर,15 नवम्बर 2026। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं,दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था।

अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी...

दीपक सिंह अमृतसर में 3 अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक,गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है।



दिल्ली के कारोबारी पर फायरिंग करनी थी

दिल्ली पुलिस के डिप्टी कमिश्नर नारा चैतन्य के मुताबिक,विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है। उसे मुंबई से दिल्ली भेजा गया था। यहां उसे एक कारोबारी से रंगदारी मांगने के लिए उसके ऊपर फायरिंग करनी थी। इस हमले में दीपक सिंह को भी शामिल होना था,लेकिन पुलिस ने वारदात से पहले ही विकास को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मुंबई में कार्रवाई कर दीपक को भी पकड़ लिया। कुछ सिख संगठनों और 1984 के दंगों की गवाह जगदीश कौर ने आरोप लगाया था कि 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली के एम्स अस्पताल के बाहर अमिताभ बच्चन ने भीड़ को उकसाया था। शिकायतकर्ताओं का दावा था कि अमिताभ ने दूरदर्शन के लाइव प्रसारण के दौरान हाथ उठाकर 'खून का बदला खून' और 'खून के छींटे सिखों के घरों तक पहुंचने चाहिए' जैसे नारे लगाए थे।

नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को हुआ,हमने इसका खात्मा किया : पीएम मोदी

नई दिल्ली,15 नवम्बर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। पीएम ने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान आदिवासी कलाकारों ने डांस की प्रस्तुति दी। पीएम ने कलाकारों के साथ खरताल भी बजाई। सरकार ने 2021 में बिरसा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया था। पीएम मोदी 2023 में बिरसा की जन्मस्थली उलिहातू (खूंटी, झारखंड) गए थे। वे उलिहातू का दौरा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं। मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर पिछले साल देशभर में दो लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें करोड़ों लोग शामिल हुए।



पहले लोग छत्तीसगढ़ जाने से डरते थे...

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बस्तर का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग वहां जाने से डरते थे,लेकिन कुछ दिन पहले उन्होंने सुरक्षा बलों के साथ इसी इलाके में दीपावली मनाई। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व आदिवासी समाज की एक बेटी के हाथ में है।

50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर आए...

मोदी ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में करीब 30 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। देश इस समय दो बड़ी उपलब्धियों की चर्चा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बजट रखा। मुद्रा योजना से बिना गारंटी के कर्ज देकर लोगों के लिए रोजगार और कमाई के अवसर बढ़ाए गए।

आजादी की लड़ाई में आदिवासी वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान दिया...

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और कई वीरों-वीरांगनाओं ने बलिदान दिया। भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष और उनका 'उलगुलान' आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है।

मोदी बोले...देश आज आदिवासी नायक-नायिकाओं को गर्व से याद कर रहा है...

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस आदिवासी समाज के गौरव और भगवान बिरसा मुंडा की भावनाओं से जुड़ा पर्व है। आज देश अपने आदिवासी नायक-नायिकाओं को गर्व के साथ याद कर रहा है। गढ़चिरौली में हो रहे बड़े आयोजन का जिक्र करते हुए उन्होंने राघव जी भागरे और भागोजी नाइक जैसे वीरों को नमन किया।

मोदी ने 3 हजार करोड़ की विकास योजनाएं शुरू कीं

पीएम मोदी ने जनजातीय समुदाय के लिए 3 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इसमें 19 जनजातीय विद्यालय भी शामिल हैं।

भारत और सोमालिया के बीच पहली विदेश कार्यालय परामर्श बैठक द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा



नई दिल्ली,15 नवम्बर 2026। भारत और सोमालिया के बीच पहली विदेश कार्यालय परामर्श बैठक रविवार को सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में आयोजित हुई। बैठक में दोनों देशों ने राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों की समीक्षा की। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के पश्चिम एशिया एवं उत्तरी अफ्रीका (डब्ल्यूएएनए) प्रभाग के संयुक्त सचिव और सोमालिया के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव ने की। बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, लघु और मध्यम उद्यम,स्वास्थ्य एवं औषधि क्षेत्र,क्षमता निर्माण,आतंकवाद-रोधी सहयोग तथा समुद्री सुरक्षा को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया। इसके अलावा, दोनों देशों ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

राहुल गांधी को विदेश नहीं...गांव-गांव घूमने की जरूरत,अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके कभी सत्ता नहीं मिलेगी : अमित शाह

पुणे,15 नवम्बर 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों से भारत को बदनाम करके आप कभी भी सत्ता हासिल नहीं कर पाएंगे। विदेश यात्रा करने के बजाय आपको गांव-गांव घूमने की जरूरत है। शाह ने हैदराबाद में हुई कांग्रेस की भारत समिट को लेकर राहुल गांधी को जवाब दिया है। पुणे के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि राहुल गांधी ने देश को बदनाम किया है। अगर राहुल जीतना चाहते हैं तो विदेश जाना छोड़े और गांवों में जाना शुरू करें। पूरा देश यही चाहता है कि राहुल गांधी आप जमीन पर आए,गांवों में जाएं। मगर मुझे मालूम है कि अभी थोड़े दिन में ही फिर से विदेश चले जाएंगे। आपकी सत्ता की आकांक्षा इस तरह से पूरी नहीं होगी।

गृहमंत्री की स्पीच की बड़ी बातें...

1. अभी कांग्रेस पार्टी ने भारत समिट 2026 हैदराबाद में आयोजित की। देश भर में वामपंथी विचारधारा के प्रचारकों को भारत में बुलाया। कांग्रेस के राजकुमार भी वहां गए। इस समिट का नाम भी भारत समिट रखा गया था, लेकिन राहुल गांधी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत विरोधी



विचार बोलकर पूरी दुनिया में भारत को बदनाम करने का काम किया है।
2. इस मंच से महाराष्ट्र की जनता को कहने आया हूं और देश भर के लोगों को भी कहना चाहता हूं। जहां पर भी कांग्रेसी मिलें, आप उनको पूछें कि चुनाव लड़ना, हारना, जीतना, ये पार्टी के नेताओं के परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। 10 साल का आपको मौका दिया था, 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार किए। देश की जनता ने आपका हाथ पकड़कर दिल्ली की सरकार के बाहर निकाल दिया।
3. उन्होंने आगे कहा कि चाहे कृषि क्षेत्र हो, चाहे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट हो,चाहे चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचना हो,चाहे स्टार्टअप इकोसिस्टम बनानी हो,चाहे रेलवे उसका पुनरुद्धार करना हो,76 एयरपोर्ट से 150 एयरपोर्ट बनाने हों, सबसे ज्यादा बड़ा मेट्रो का नेटवर्क लगाना हो,नई शिक्षा नीति लानी हो या सहकारिता मंत्रालय बनाना हो, ये सभी ये 12 साल के कार्यकाल में हुआ है।
4. अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को सलाह देना चाहता हूं कि इस तरह से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को बदनाम करके आपको सत्ता नहीं मिलेगी। सत्ता चाहिए तो विदेश की यात्राएं बंद करके भारत के गांव में जाना शुरू करिए तो शायद आपका नंबर कभी लग जाए।
5. पूरी दुनिया जिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है,आप उन नरेंद्र मोदी और भारत की विकास यात्रा को दुनिया में बदनाम करने का काम कर रहे हो। खैर, आप तो नहीं सुनेंगे लेकिन मैं कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को कहना चाहता हूं कि इसी दिशा में इनके पीछे चले तो अगले 30 साल तक आपका नंबर नहीं लगना है।

वायु सेना के 13 बेस रिपेयर डिपो ने सर्विस के पचास साल पूरे होने का जश्न मनाया

नई दिल्ली,15 नवम्बर 2026। भारतीय वायु सेना के 13 बेस रिपेयर डिपो ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में अपनी शानदार सर्विस के पचास साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर मेंटेनेंस कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल यल्ला उमेश ने डिपो के सफर पर रोशनी डाली। उन्होंने एयर डिफेंस की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए देसी इंजीनियरिंग और इंडस्ट्रियल क्षमताएं बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। मानेकशॉ सेंटर में 'एयर डिफेंस 2040: सेंसर्स, नेटवर्क्स और सॉवरेन सस्टेनमेंट' विषय पर आयोजित सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व के अलावा डीआरडीओ और डिफेंस इंडस्ट्री के बड़े पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। एयर मार्शल यल्ला उमेश ने इस मौके पर कहा कि 1976 में बना बेस रिपेयर डिपो वायु सेना के मेंटेनेंस इकोसिस्टम का एक अहम हिस्सा रहा है, जो जरूरी रडार और कम्युनिकेशन इक्विपमेंट की रिपेयर, ओवरहॉल और लाइफ साइकिल सपोर्ट का काम करता है। रडार और कम्युनिकेशन प्रोजेक्ट ऑफिस से अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए डिपो ने पिछले पांच दशकों में जरूरी एयर डिफेंस सिस्टम की परिचालन उपलब्धता और विश्वसनीयता पक्का करने में अहम योगदान दिया है। अपने स्वागत भाषण में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने इस बात पर जोर दिया कि किसी एयर डिफेंस सिस्टम का असली असर उसकी ऑपरेशनल उपलब्धता में होता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सस्टेनमेंट इक्विपमेंट डिजाइन और इंडक्शन का जरूरी हिस्सा होना चाहिए।



संपादकीय

पूरा हो महिलाओं से किया गया वादा

संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन संबंधी विधेयक को पारित करने की सरकार की तैयारी संबंधी खबरों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। यदि ये विधेयक पारित हो जाते हैं तो मोदी सरकार केवल लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने में ही सफल नहीं होगी, बल्कि राजनीतिक माहौल को बदलने और उसे अपने पक्ष में भी करने में सक्षम होगी। इसके पहले इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण संविधान विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रही, क्योंकि एक तो संविधान संशोधन विधेयक होने के नाते दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी और दूसरे कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए। अब हालात बदले दिख रहे हैं,क्योंकि द्रमुक कांग्रेस से नाता तोड़ चुकी है और तृणमूल कांग्रेस में टूट हो चुकी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के भी आठ राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो चुके हैं। शिवसेना उद्धव गुट के कई लोकसभा सदस्य एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ चले गए हैं और शरद पावर की एनसीपी भी अपने रुख में बदलाव के संकेत दे रही है। वैसे तो सरकार ने संसद के मानसून सत्र में भी महिला आरक्षण और परिसीमन संबंधी विधेयक पारित कराने के संकेत दिए थे,लेकिन यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसके चलते सरकार ये विधेयक सदन में लाई ही नहीं,लेकिन उसने सत्रावसान भी नहीं किया। ऐसा इसीलिए नहीं किया,ताकि कभी भी विशेष सत्र बुलाया जा सके। माना जा रहा है कि जल्द ही ऐसा किया जा सकता है। सत्तापक्ष की मानें तो अब वह इन विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत तक पहुंच जाएगी। इस बार वह परिसीमन संबंधी विधेयक में इस बात को लिखित तौर पर शामिल करने के लिए भी तैयार है कि सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाई जाएंगी। पिछली बार यह बात विधेयक में शामिल नहीं थी और केवल आश्वासन रूप में थी। इसी कारण विपक्ष ने उसे एक मुद्दा बना लिया था। सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव इसलिए दिया जा रहा है,ताकि किसी भी राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व का प्रतिशत पहले जैसा ही रहे। कुछ राज्यों,खासकर दक्षिण भारत के राज्यों की यह चिंता है कि आबादी के आधार पर होने वाला परिसीमन उनके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह होगा और एक तरह से उन्हें जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल करने की सजा मिलेगी।

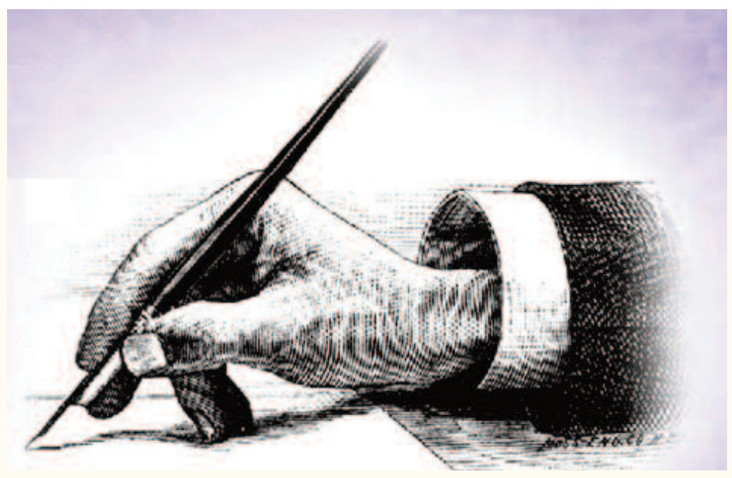
पत्रकारिता,नैतिकता और लोकतंत्र की परीक्षा


योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

लोकतंत्र का ऑक्सीजन है प्रेस

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है,जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी और 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की,जिसने 16 नवम्बर 1966 को अपना कार्य शुरू किया। उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई,वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है,जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है,जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है,जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है,जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।


प्रतीकात्मक: दैनिक घटती-घटना

प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान् हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है,जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता। अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र,जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है,जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था,जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता।

प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है,अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे,वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो,उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना,अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना,पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना,भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना,असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों,अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना,समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना,निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना,समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना,लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे। पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। अतःयदि प्रेस प्रतिनिधि समाज के कमजोर व शोषित वर्ग की आवाज उठाने के बजाय निहित स्वार्थों के चलते केवल सत्ता से ही प्रेम संबंध बनाने के प्रयासों में लगा रहेगा तो यह प्रेस की विश्वसनीयता के लिए ही घातक सिद्ध होता है। बहरहाल,राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास,राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

गिजुभाई बधेका के शैक्षिक प्रयोग और वर्तमान प्रासंगिकता

लेख के आरंभ में ही मैं पाठकों के लिए गिजुभाई का परिचय साझा करना चाहूंगा,क्योंकि भारतीय शिक्षा क्षेत्र में आज भी गिजुभाई अपरिचित से हैं,तो शेष समाज भला उनसे कैसे परिचित होगा। गिजुभाई भारत के ऐसे पहले शिक्षाविद् हैं जो भयमुक्त आनंदमय शिक्षा की बात करते हैं। वह केवल बातों के गुब्बारे नहीं उड़ाते बल्कि विद्यालय में बच्चों के साथ आनंदमय शिक्षा के मनमोहक प्रयोग करके शिक्षकों एवं समाज के सम्मुख एक प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। वह कक्षा की बंद दीवारों में खिड़कियां खोलते हैं ताकि नवाचार की मलय बयार और खुशियों का उजाला बच्चों तक पहुंच सके। वह शिक्षा को जडता से मुक्त कर गतिशील करते हैं। उनके लिए शिक्षा का अर्थ पुस्तकीय सिद्धांतों,सूचनाओं एवं प्रश्नोत्तरों को रटना और परीक्षाओं में हू-ब हू उगल देना नहीं बल्कि बच्चों द्वारा स्वयं ज्ञान निर्माण से था, और इसके लिए जरुरी था कि पाठशालाओं का परिवेश बाल मैत्रीपूर्ण हो,जहां बच्चे अपनी बाल चपलता,संवेदनशीलता एवं सहजता के साथ निर्भय हो अपनी कल्पनाओं में रंग भर सकें। वह बच्चों के चेहरों पर डर एवं भय से उपजी उदासी नहीं बल्कि रचनात्मकता की खुशी एवं लालिमा देखना चाहते थे। इसलिए उन्होंने बाल देवो भव का उद्घोष कर बच्चों के लिए विद्यालयों को उनकी सपनीली जगह बना दिया,जहां वे उड़ान भर सकते थे। पर उनके लिए यह रास्ता कांटों भरा था,क्योंकि वह तत्कालीन शिक्षा धारा के विरुद्ध तैरना चाह रहे थे। कठिनाइयों से जूझते हुए लक्ष्य प्राप्त किया,किंतु विद्यालय के साथी शिक्षकों द्वारा उपेक्षा एवं उपहास का प्रसाद प्रदान किया गया। उनकी राह में अवरोध खड़े किए गये पर वह पथिक ही क्या जो पथ के कंटकों से विचलित हो अपने लक्ष्य से विमुख हो जाये। गिजुभाई ने उन कंटकों को सुवासित सुमन रूप स्वीकार कर बिना किसी प्रतिक्रिया के केवल अपनी शैक्षिक साधना में मन, वचन एवं कर्म से सतत सन्नध सक्रिय रहे।


प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

गिजुभाई बधेका का जन्म गुजरात के भावनगर जनपद के वल्लभीपुर चित्तल ग्राम में 15 नवम्बर,1885 को हुआ था। पिता भगवान भाई बधेका और माता काशी बा का स्नेह-दुलार प्राप्त करता शिशु आंगन में किलकारी करता तो परिवार में खुशियां बिखर जातीं। शिशु का नामकरण हुआ गिरिजा शंकर भगवान जी बधेका,जो आज गिजुभाई बधेका नाम से विश्व विश्रुत है। गिजुभाई की आरम्भिक शिक्षा गांव में ही हुई और आगे की पढ़ाई के लिए मामा के घर भावनगर चले गये। उनके मामा का सरल,शांत,धैर्य और प्रकृति प्रेमी स्वभाव बालक गिजुभाई को आकर्षित करता और वे गुण उसमें घर करते गये। आगे की शिक्षा हेतु कालेज जाना हुआ पर परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे शिक्षा पूरी न कर अर्थोपार्जन हेतु अफ्रीका पहुंच एक अंग्रेज एडवोकेट के यहां नौकरी कर ली। गिजुभाई में सीखने की ललक और जिज्ञासा हमेशा रही। वे कोई काम कल पर न टालते। समय से सुव्यवस्थित कार्य करने के कारण अंग्रेज एडवोकेट प्रसन्न रहता। यहां काम करते हुए गिजुभाई को कानून का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। एक बार कोई समस्या आने पर जब गिजुभाई ने एडवोकेट से समाधान हेतु पूछा तो उसने उत्तर दिया,अपना दिमाग लगाओ। यह वाक्य गिजुभाई के जीवन का पथ प्रदर्शक बन गया। जीवन में जब भी समस्या आती तो बजाय


किसी से समाधान पूछने के वह स्वयं हल खोजते। इससे उनकी चिंतन-मनन और विचार शक्ति बलवती होती गई। आगे उनको भारत वापस आना पड़ा। डिस्ट्रिक्ट प्लीडर की परीक्षा उत्तीर्ण कर वह सुरेंद्र नगर में वकालत करने लगे। वह समय वकालत के लिए स्वर्ण युग था। खूब पैसा, मान-सम्मान और प्रतिष्ठा थी, किंतु गिजुभाई का मन अदालती दांव-पेंच में न रमा। वह जीवन में कुछ अलग हटकर करना चाहते थे। संयोग से फरवरी 1913 में पुत्र नरेंद्र बचुभाई का जन्म हुआ और उसकी शिक्षा के लिए गिजुभाई ऐसा विद्यालय खोजने में जुटे जहां बच्चे आनंदमय वातावरण में शिक्षा ग्रहण करते हों। जहां जाने की खुशी प्रकट हो और बिना भय-दण्ड के खेल-कहानी के द्वारा शिक्षण किया जाता हो, पर उनको ऐसा स्कूल नहीं मिला। इसी बीच गिजुभाई ने भारतीय और विदेशी शिक्षाविदों के विचारों का अध्ययन किया। मारिया मांटेसरी के विचारों ने उनको प्रभावित किया और उसे जमीन पर उतारने का स्वप्न वह देखने लगे। संयोग से इसी समय 1910 में महाविद्यालय के प्रवक्ता नरसिंह प्रसाद कालीदास भट्ट उपाख्य नानाभाई ने भावनगर में एक विद्यालय दक्षिणामूर्ति बाल भवन की स्थापना की, जहां बच्चों के लिए बिना दंड-भय के बाल मैत्रीपूर्ण परिवेश में शिक्षण का प्रबंध था। विद्यालय लोकप्रिय हो गया। नानाभाई के आमंत्रण पर नवम्बर 1916 में वकालत छोड़कर गिजुभाई ने विद्यालय प्रमुख के रूप में दक्षिणामूर्ति बाल भवन में कार्य करना आरंभ किया और अपने शैक्षिक विचारों के पौधे रोपे। नानाभाई ने कहा था कि विद्यालय की स्थापना भले ही मैंने की हो किंतु इसमें प्राण प्रतिष्ठा गिजुभाई ने किया है। गिजुभाई को यहां जैसे स्वप्नों को साकार करने का फलक मिल गया। उनके विचार एवं शैक्षिक प्रयोग आज राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा और शिक्षा नीतियों में समाहित हैं।

गिजुभाई ने शिक्षा को बंद किताबों की तोता रटंत से मुक्त कर प्रकृति की खुली पुस्तक के रूप में बदल दिया। वह कक्षा में व्याख्यान और श्यामपट में प्रश्नोत्तरों को लिखाने एवं कापियों में उतरवाने के पक्षधर न थे बल्कि खेल-खेल में गीत,संगीत,कहानी,नाट्य मंचन एवं शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से पाठकों को रससिक्त एवं आनंदमय बनाने के पैरोकार थे। शारीरिक एवं परिवेशीय स्वच्छता पर जोर था। वह विद्यार्थियों के मैले वस्त्र स्वयं धुलकर बच्चों को नहला कंघी कर प्रसन्नचित्त कर देते थे और तब बच्चे एवं अभिभावकों को सफाई का महत्व समझ आता। वह बच्चों में कौशलों के विकास के लिए अवसर पैदा करते थे। वह बच्चों के सर्वज्ञाता गुरु नहीं अपितु उनके सच्चे मित्र एवं सहयोगी थे। वह शिक्षकों को बच्चों से प्रेम करने एवं विद्यालय के प्रति आत्मीयता का भाव जगाने को प्रेरित करते थे। गिजुभाई ने 200 से अधिक पुस्तकें लिखीं। प्राथमिक शिक्षा पर केंद्रित आनंदमय शैक्षिक प्रयोग उनकी अमर कृति दिवास्वप्न में देखे जा सकते हैं। उनका बाल साहित्य पढ़ कर काका कालेलकर ने गिजुभाई को बाल साहित्य का विधाता संज्ञा दी तो लोक ने मूंछों वाली मां कह आदर व्यक्त किया। 23 जून, 1939 में मुम्बई में गिजुभाई ने अंतिम सांस ली।

प्राथमिक शिक्षा की वर्तमान चुनौतियों में गिजुभाई की कितनी प्रासंगिकता विद्यमान है, यह प्रश्न हवा में तैरता उत्तर खोज रहा है। मैं जब शिक्षक समुदाय से बातचीत करता हूं तो वे कहते हैं कि आज शिक्षक विभागीय आदेशों-निर्देशों की रस्सी में बंधा है। दर्जनों ऐप से प्रशिक्षण एवं बच्चों की परीक्षा कराना,वाट्सएप पर तुरंत सूचनाएं मांगी जाना,शिक्षक डायरियों का भरना,आफलाइन प्रशिक्षण,शिक्षक संकुल बैठक,लगभग हर दिन कोई न कोई कार्यक्रम करने का अचानक आदेश आ जाना और जनगणना,चुनाव जैसे कार्यों में ड्यूटी लगने से बच्चों एवं शिक्षकों के बीच मित्रता,मधुरता एवं आत्मीयता का सम्बंध नहीं बन पाता। आज शिक्षक को केवल एक कर्मचारी मानकर व्यवहार किया जा रहा है। विभाग और समाज में शिक्षक का सम्मान घटा है। छात्र-शिक्षक अनुपात में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। शिक्षक दंडित किए जा रहे हैं। मुझे लगता है उनकी बातें अपनी जगह सही एवं उचित हैं पर इसी प्रतिकूलता से शिक्षकों को अनुकूल रास्ते बनाने होंगे। गिजुभाई का साहित्य हममें वर्तमान चुनौतियों के बीच आनंदमय राह बनाने का हुनर पैदा करने में समर्थ है। गिजुभाई के विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान संदर्भों में सर्वाधिक है। विश्वास करिए,चुनौतियों से निकलने का रास्ता गिजुभाई दिखा रहे हैं। हमें स्वयं में वह दृष्टि विकसित करनी है जो लक्ष्मीशंकर बन बच्चों का सच्चा मीत बन सकें।

मनमोहक भोले



मन भोले में इतना लागा,
नहीं कहीं कोई थी बाधा,
जीवन सरस सरल बनाया,
बस मैनें भोले को ध्याया।
मन भोले में ...
हलचल-सी थी मन में मेरे,
कहां रहेंगे भोले मेरे,
जब अंतस में झांका मैंने,
मुझे दिखे वहां भोले-भोले।
मन भोले में ....
बहुतेरे रंगों ने आकर,
अपनी-अपनी जगह बनाई,
मैंने सुंदर-सी भोले की,
मनमोहक एक छवि बनाई।
मन भोले में ...
आज नहीं कल की कोई चिंता,
बात ये सबको बतलाई,
भोले से जुड़ गया हूं इतना,
कर ली है सब खरी कमाई।
मन भोले में ...
आओ सत्य कर्म के पथ पर,
हम अपने सब कदम बढ़ाएं,
भोले के बन कर अनुगामी,
अपना-अपना भाग जगाएं।
मन भोले में ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,मध्यप्रदेश

बैच नंबर के-902

रात के ठीक एक बजकर चालीस मिनट पर जिला बाल चिकित्सालय के वार्ड नंबर चार में अचानक एक साथ सात मॉनिटरों के सायरन गूँज उठे।सन्नाटे में केवल बच्चों की दबी हुई सिसकियां और सांसों के उखे ने की घरघराहट गूंज रही थी।सामान्य मौसमी खांसी का सरकारी सीरप पीने के चौबीस घंटे के भीतर वार्ड में भर्ती आठ मासूम बच्चों के गुर्दे अचानक पूरी तरह काम करना बंद कर चुके थे।रहस्य इस बात का था कि जिस दवा की शीशी पर 'ब्लॉकचेन क्यूआर कोड :शत-प्रतिशत गुणवत्ता प्रमाणित एवं एनएबीएल लैब द्वारा सुरक्षित' का चमकदार होलोग्राम लगा था, वह अचानक मासूमों के लिए मीठा जहर कैसे बन गई?ड्यूटी पर तैनात बाल रोग विशेषज्ञ के हाथ कांप रहे थे। उन्होंने तुरंत दवा की उस शीशी को अलग रखा और जिला ड्रग इंस्पेक्टर को इमरजेंसी कॉल लगाई।अस्पताल के उस ठंडे लोहे के पलंग पर पच्चीस साल की सीमा अपने आठ महीने के बेटे आरव को सीने से चिपकाए बदहवास हालत में खड़ी थी।



आरव का नन्हा शरीर पानी भरने के कारण सूजकर भारी हो चुका था। उसकी आंखें आधी खुली थीं और होठ नीले पड़ चुके थे। जहर उसके खून में फैल रहा था। डॉक्टर ने पर्चे पर लाल स्याही से लिखा 'अत्यधिक आपातकाल! बैच नंबर के-902 के कफ सीरप में घातक केमिकल की आशंका। इस बैच की सभी शीशियों को तत्काल सील कर एंटीडोट दिया जाए।'आधे घंटे में जिला औषधि निरीक्षक महोदय अपनी चमचमाती सरकारी गाड़ी से अस्पताल पहुंचे। उनके हाथ में नवीनतम टैबलेट था। सीमा रोते हुए इंस्पेक्टर के कदमों में गिर पड़ी,साहब, कल दोपहर अस्पताल से यह लाल दवा मिली थी...इसे पीते ही मेरे लाल का पेशाब बंद हो गया,इसका बदन पत्थर हो रहा है...इस दवा को रोक दीजिए!इंस्पेक्टर ने मेज पर रखी उस सीरप की शीशी को उठाया। उन्होंने अपने टैबलेट का स्कैनर ऑन किया और शीशी पर छपे उस डिजिटल क्यूआर कोड को स्कैन किया।

टैबलेट की स्क्रीन पर तुरंत एक सुरीली डिजिटल बीप गूंजी। स्क्रीन पर हरे रंग का एक बड़ा सा टिक मार्क कौंधा और राष्ट्रीय ई-औषधि पोर्टल का आधिकारिक डेटा प्रकट हुआ–'सत्यापित! बैच नंबर के-902 सरकारी मानकों के पूर्णतः अनुकूल है। इसमें किसी भी मिलावट की संभावना शून्य है।'

इंस्पेक्टर ने चश्मा ठीक किया और बड़ी प्रशासनिक गंभीरता से डॉक्टर से बोले,डॉक्टर साहब,आप बिना किसी लैब रिपोर्ट के सरकारी खरीद की दवा पर शक कैसे कर सकते हैं? सप्लायर कंपनी राज्य की सबसे बड़ी फार्मा फर्म है और उसके पास विश्वस्तरीय डिजिटल लैब का प्रमाण-पत्र है। जब तक राज्य मुख्यालय की सेंट्रल लैब से नया केमिकल एनालिसिस होकर पोर्टल पर अपलोड नहीं होगा,हम इस बैच को जहरीला घोषित नहीं कर सकते। अगर हमने ऐसा किया,तो कंपनी सरकार पर मानहानि का मुकदमा कर देगी।

यार,तुमने कभी देखा है कि जब कोई व्यवस्था किसी जहरीले सच को कागजों के नीचे छुपाने की जिद पर अड़ जाती है,तो उस वक्त किसी मां के आंसुओं की क्या कीमत रह जाती है? सीमा ने अपने बच्चे के गालों को चूमा। आरव की सांसें अब बहुत धीमी हो चुकी थीं। उसके नन्हे हाथ ने अपनी मां की उंगली को कसकर पकड़ा और फिर वह पक्कड़ धीरे-धीरे छूट गई।आठ महीने के आरव की गर्दन एक तरफ ढुलक गई। सुबह के ठीक पांच बजे,उस नन्हीं सी जान का संघर्ष हमेशा के लिए थम गया। वार्ड नंबर चार में सिर्फ एक बेबस मां की चीत्कार गूंज रही थी,जिसने अस्पताल की दीवारों को भी हिलाकर रख दिया। तभी इंस्पेक्टर के टैबलेट पर एक सरकारी नोटिफिकेशन चमका। राज्य के उद्योग एवं स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से उसी फार्मा कंपनी को 'गुणवत्तापूर्ण सस्ती दवाओं के निर्माण हेतु राज्य गौरव स्वर्ण पदक' से सम्मानित किए जाने की प्रेस रिलीज जारी हो चुकी थी।सीमा उस मृत देह को अपनी छाती से भींचे फर्श पर बैठ गई। और टेबल पर रखी उस प्लास्टिक की शीशी पर चमकता हुआ वह हरा क्यूआर कोड अपनी डिजिटल पवित्रता के साथ उस बेजान बच्चे के चेहरे पर एक क्रूर तमाचे की तरह जगमगा रहा था।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हमेशा जवान रहने का नुस्खा–और हमारा बुढ़ापा बेचने वाला बाजार

एक जमाना था जब आदमी बूढ़ा होता था तो लोग कहते थे,बेचारे को आराम करने दो। अब बूढ़ा होता है तो लोग कहते हैं,अरे,तुमने अभी तक वो वाला नुस्खा नहीं आजमाया?मतलब बुढ़ापा अब उम्र नहीं, लापरवाही का प्रमाणपत्र हो गया है। जैसे आपने ठीक से क्रीम नहीं लगाई,इसलिए झुर्रियाँ आ गईं। आपने सुबह उठकर गुनगुना पानी में नींबू नहीं डाला,इसलिए घुटने बोलने लगे। आपने वो खास पौधा नहीं खाया,इसलिए बाल सफेद हो गए।अखबार में छपा था कि जापान के ओकिनावा में लोग सौ-सौ साल जीते हैं। वहाँ एक खास पौधा है,गेटो। उसका अर्क पी लो तो उम्र बीस साल बढ़ जाती है। कीड़ों पर प्रयोग हुआ, कीड़े 2216 प्रतिशत ज्यादा जीए। अब आप सोचिए,कीड़े तो वैसे भी हमारी रसोई में बिना नुस्खे के ही अमर हो जाते हैं। बरसात में एक कीड़ा मारो,दस आ जाते हैं। उनको गेटो पिलाने की क्या जरूरत थी? लगता है वैज्ञानिकों को भी अब इंसानों पर भरोसा नहीं रहा,इसलिए पहले कीड़ों पर ट्रायल कर रहे हैं।

पर हमारे यहाँ खबर पढ़ते ही क्या हुआ? अगले दिन से ही मोहल्ले की हर आंटी ने अपने गमले में तुलसी के बगल में कोई अनजान पौधा लगा लिया। पूछो तो कहती हैं,यही है वो जापानी पौधा,नर्सरी वाले ने कहा है,असली ओकिनावा वाला है। नर्सरी वाला भी धन्य है। उसे पता है कि हिंदुस्तानी को अगर कह दो कि यह जापान से आया है,तो वो मनीप्लांट को भी संजीवनी बूटी समझकर खरीद लेगा।

अब असली व्यंग्य तो यहाँ से शुरू होता है।

हमारे देश में जवान रहने का नुस्खा कभी किताबों में नहीं मिला,वो व्हाट्सऐप में मिला। सुबह-सुबह एक मैसेज आता है-रात को भिगोकर रखे हुए 4 बादाम, 1 चम्मच शहद,और आधा चम्मच हल्दी...90 साल तक जवान रहोगे।भेजने वाला खुद 52 साल का है,घुटने में ग्रीस खत्म,और बालों में डाई खत्म। पर ज्ञान ऐसा देगा जैसे अभी-अभी हिमालय से तपस्या करके लौटा हो। और फिर शुरू होता है जवान रहने का बाजार।

एक तरफ 25 साल की लड़की इंस्टाग्राम पर बता रही है कि एंटी-एजिंग के लिए क्या करना चाहिए। बहन,तुम्हारी तो अभी एजिंग शुरू भी नहीं हुई! तुम तो अभी उस उम्र में हो जहाँ रात भर जागकर भी सुबह फ्रेश लगती हो। तुम हमें बताओगी कि झुर्रियाँ कैसे रोकें? ये तो ऐसा हुआ जैसे कोई बच्चा जो अभी साइकिल चलाना सीख रहा हो, वो पायलट को बता रहा हो कि हवाई जहाज कैसे उड़ाते हैं। दूसरी तरफ हैं हमारे अंकल। 64 साल की उम्र में भी जवान दिखने का दावा करते हैं। उनका राज? मैं कभी टेंशन नहीं लेता।अरे अंकल,टेंशन तो आपने अपनी पत्नी, बच्चों, बॉस, सबको दे रखा है। आपने नहीं लिया तो क्या हुआ, आपने बाँट दिया। और फिर कहते हैं,मैं रोज सुबह 5 बजे उठता हूँ। उठते तो हैं,फिर 5:05 पर वापस सो जाते हैं।सबसे मजेदार हैं वो विज्ञापन। 7 दिन में 10 साल छोटे दिखें! अरे भाई,7 दिन में तो पासपोर्ट भी रिन्यू नहीं होता, तुम 10 साल कैसे कम कर दोगे? और अगर सच में हो गया तो आधार कार्ड वाले पकड़ लेंगे। कहेंगे,आप 60 के हैं या 50 के पहले तय करके आइए।

क्रीम लगाने वालों की अलग ही दुनिया है। एक क्रीम रात की,एक दिन की,एक आँखों के नीचे की, एक गर्दन की। गर्दन को भी अब अलग पहचान चाहिए। ऐसा लगता है जैसे चेहरा भारत है और गर्दन पाकिस्तान,दोनों के लिए अलग-अलग नीति चाहिए। और फिर भी दादी कहती हैं,बेटा,हम तो सरसों का तेल लगाते थे,आज तक चमक रहे हैं।दादी की चमक तेल से नहीं,इस बात से है कि उन्होंने कभी अपनी चमक की चिंता ही नहीं की। अब जापानी पौधे वाली बात पर वापस आते हैं। मान लीजिए वो पौधा सच में काम करता है। तो क्या होगा? भारत में सबसे पहले उसकी खेती नहीं होगी, उसकी मिलावट होगी। असली गेटो में पुदीना मिला दिया जाएगा। फिर कोई बाबा आकर कहेगा,हमारा गेटो अर्क सबसे शुद्ध है,इसमें जापानी वैज्ञानिकों का आशीर्वाद है। और एक बोतल 999 रुपये की बिकेगी। साथ में फ्री मिलेगा-एक और नुस्खा,इसे पीने के बाद 10 मिनट तक किसी से बात न करें।

और कीड़ों वाली बात तो मत ही पूछिए। वैज्ञानिकों ने कहा कि कीड़े ज्यादा जीए। हमारे यहाँ तो आदमी भी कीड़ों की तरह जी रहा है। सुबह से शाम तक ऑफिस की लाइट में,ट्रैफिक के धुएँ में, मोबाइल की स्क्रीन में। फर्क बस इतना है कि कीड़ों को गेटो मिला,हमें मिला है-ईएमआई बीपी और शुगर। असल में हम जवान रहना नहीं चाहते,हम जवान दिखना चाहते हैं। अंदर से घुटने चरमरा रहे हों,पर बाहर से फिल्टर में चिकने दिखें। बाल सफेद हों तो कोई बात नहीं,हेयर कलर है। पेट बाहर हो तो कोई बात नहीं,कुर्ता ढीला है। झुर्रियाँ हों तो कोई बात नहीं,कैमरे में ब्यूटी मोड है। हमने बुढ़ापे को हराया नहीं है,हमने उसे एडिट कर दिया है। एक बुजुर्ग ने बड़ी अच्छी बात कही थी-जवान रहने का सबसे अच्छा नुस्खा है,बूढ़ा होने से डरना बंद कर दो। जिस दिन हमने आईने से झगड़ा करना बंद कर दिया,उसी दिन हम सच में जवान हो जाएंगे। क्योंकि ओकिनावा के लोग 100 साल इसलिए नहीं जीते कि वो कोई जादुई पौधा खाते हैं। वो इसलिए जीते हैं क्योंकि वो धीरे खाते हैं,कम खाते हैं,खूब हँसते हैं,और पड़ोसी से झगड़ा नहीं करते। हमारे यहाँ तो हम खाना खाते-खाते ही तीन बार झगड़ लेते हैं-पहले सब्जी में नमक को लेकर, फिर रोटी के साइज को लेकर, और फिर इस बात को लेकर कि किसने

कांच ही बांस के बहंगिया...छठ गीतों से गूंजते रहे घाट

व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्पित किया अर्घ्य







-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में हर्षोल्लास के साथ रविवार को मनाया गया। शाम को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ घाटों में इस दौरान मेले जैसा माहौल नजर आया। सडक़ों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई श्रद्धालु अपने घर से दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। इस दौरान परिवार के लोग भी उपस्थित थे। छठ घाट पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी तालाबों और जलाशयों में उतर कर स्नान किया। इसके बाद पानी में ही खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ से प्रसाद से भरे सूप से अस्ताचलगामी को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के लोगों ने लोटा में पानी और दूध से व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। अर्घ्य अर्पित करने का सिलसिला सूर्यास्त होते तक चलता रहा। लोक आस्था का महापर्व छठ यूपी,बिहार,झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। अंबिकापुर में भी छठ करने वालों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। छठ व्रतियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए लगभग हर मोहल्लों में छठ घाट बनाए गए हैं। शहर के प्रमुख शंकर घाट,घुनघुट्टा,शिवसागर तालाब स्थित छठ घाट में प्रतिवर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु छठ करने पहुंचते हैं। शंकर घाट पर महामाया छठ पूजा सेवा समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई थी। समिति द्वारा व्रतियों की सुविधा को देखते हुए टेंट पंडाल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गई थीं। इसी तरह शहर से लगे घुनघुट्टा नदी तट पर श्याम घुनघुट्टा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। यहां छठ व्रतियों के लिए समिति द्वारा टोकन की व्यवस्था की गई थी। टोकन के माध्यम से व्रतियों ने अपने-अपने स्थान पर पूजा की। यहां शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। व्रतियों को यहां स्नान करने के लिए शुद्ध जल व पर्याप्त जगह काफी पसंद आई। वहीं यहां गंगा आरती का भी आयोजन किया गया था। जो आकर्षण का केन्द्र रही। इसी तरह शहर के शंकर घाट के अलावा मौलवी बांध,मैरीन ड्राइव तालाब,सतीपारा तालाब,जेल तालाब, खैरबार नहरपारा, गोधनपुर तालाब,खर्रा स्थित घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

दंडवत देते हुए पहुंचे छठ घाट

छठ व्रत अटूट आस्था का पर्व है। मान्यता है कि छठ व्रत करने पर लोगों की सारी मन्नतें पूर्ण होतीं हैं। ऐसे में श्रद्धाल अपने घर से ही दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे।

सुरक्षा की वाक-चौबंद व्यवस्था

छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया था।

नंगे पैर,सिर पर दउरा और छठी मैया के गूंजते रहे गीत

अर्घ्य के लिए दोपहर करीब तीन बजे से ही सडक़ों एवं गलियों में व्रतियों की भीड़ दिखने लगी। महिलाएं छठी मइया का गीत गाते व पुरुष सिर में सूपा व दउरा रख नंगे पैर घाट की ओर रवाना हुए। जैसे-जैसे शाम होती गई,व्रतियों की भीड़ बढ़ती गई। व्रतियों की सुविधा के लिए सडक़ों से लेकर घाटों तक विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों को परेशानियों से बचाने के लिए सडक़ों की साफ-सफाई हुई थी। छठ घाटों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने डूबते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।



छह पिल्लों को पीटने के बाद बोरे में भरकर पेट्रोल डाल जिंदा जलाया,नाबालिगों की क्रूरता का सीसीटीवी फुटेज वायरल

पंजाब गार्डन के पीछे की घटना,अधजले शव मिलने के बाद सामने आया मामला,डॉग शेल्टर संचालक ने गांधीनगर थाने में की शिकायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

शहर के मनेंद्रगढ़ मार्ग स्थित पंजाब गार्डन के पीछे मोहल्ले में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां आधा दर्जन नाबालिगों ने छह मासूम पिल्लों को पहले बेरहमी से पीटा,फिर प्लास्टिक के बोरे में भरकर पेट्रोल डाल दिया और जिंदा जला दिया। घटना 13 नवंबर की शाम की बताई जा रही है। पिल्लों के अधजले शव मिलने के बाद मामला सामने आया। वहीं,घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। जानकारी के अनुसार,पंजाब गार्डन के पीछे मोहल्ले में दो स्ट्रीट डॉग ने कुछ दिन पहले पिल्लों को जन्म दिया था। इनमें से तीन पिल्लों की देखभाल स्थानीय लोग कर रहे थे, जबकि अन्य मोहल्ले में इधर-उधर घूमते थे। इसी दौरान मोहल्ले के ही कुछ नाबालिगों ने पिल्लों को पकड़ लिया और उनकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद सभी छह पिल्लों को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कचरा फेंकने वाली जगह पर ले गए। वहां बोरे में पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस क्रूरता में सभी पिल्लों की मौत हो गई।

अधजले शवों को नोच रहे थे कुत्ते,तब मिली सूचना : घटना के बाद पिल्लों के अधजले शव पड़े थे,जिन्हें दूसरे कुत्ते नोच रहे थे। यह देखकर किसी व्यक्ति ने बेजुबान डॉग शेल्टर के संस्थापक सुधांशु शर्मा को सूचना दी। वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के साथ गांधीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।



सीसीटीवी फुटेज वायरल,अभिभावकों को थाने बुलाया : घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग नाबालिगों की इस क्रूरता पर सवाल उठा रहे हैं। इधर,शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने संबंधित नाबालिगों के अभिभावकों को थाने बुलाया है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छठ पर्व की खुशियों के बीच अनोखी सोच संस्था ने निभाया मानवता का धर्म

परिजनों से बेखबर बुजुर्ग महिला का किया ससम्मान कफन-दफन,अंतिम विदाई में भी नहीं छोड़ी संवेदनशीलता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों और उत्सवी माहौल के बीच अनोखी सोच संस्था के सदस्यों ने मानवता की ऐसी मिसाल पेश की,जिसने सामाजिक संवेदनशीलता की एक नई तस्वीर सामने रखी। नारी निकेतन में निवासरत 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला सुकरो का रविवार सुबह करीब 11 बजे जिला अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण महिला अपने परिजनों और स्थायी पते की जानकारी नहीं दे पाती थीं। ऐसे में अंतिम विदाई देने के लिए भी उनका कोई अपना सामने नहीं आया। इस कठिन परिस्थिति में अनोखी सोच संस्था ने जिम्मेदारी संभाली और पूरे सम्मान के साथ उनका कफन-दफन कराया।

पांच वर्षों तक चला इलाज और देखरेख का सिलसिला : जानकारी के अनुसार, सुकरो को वर्ष 2021 में उज्ज्वल गृह, कोरिया द्वारा अंबिकापुर स्थित नारी निकेतन भेजा गया था। उनकी मानसिक स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए उन्हें बिलासपुर के सेंदरी स्थित मानसिक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया,जहां वर्ष 2021 से 2024 तक उनका उपचार चला। स्वास्थ्य में सुधार के बाद वर्ष 2024 में उन्हें पुनः अंबिकापुर नारी निकेतन लाया गया। इसके बाद से जिला अस्पताल में उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार जारी था।



नारी निकेतन की अधीक्षिका की सूचना पर आगे आई संस्था

महिला की पहचान और परिजनों के संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उनके निधन के बाद अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी का सवाल खड़ा हो गया। नारी निकेतन की अधीक्षिका ने अनोखी सोच संस्था से संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया। साथ ही आग्रह किया कि महिला का कफन-दफन सम्मानपूर्वक कराया जाए,ताकि भविष्य में यदि कोई परिजन या रिश्तेदार उनकी तलाश में पहुंचे तो आगे की पारंपरिक रस्में पूरी कर सके।

छठ की व्यस्तता छोड़ अंतिम विदाई को दी प्राथमिकता

छठ पर्व के उत्साह और व्यक्तिगत तैयारियों के बीच संस्था के सदस्यों ने अपने कार्यों से ऊपर उठकर बेसहारा महिला को अंतिम विदाई देने का निर्णय लिया। संस्था की टीम ने पूरे सम्मान और विधि-विधान के साथ उनका कफन-दफन संपन्न कराया। इस पहल ने यह संदेश दिया कि इंसानियत का रिश्ता किसी पहचान, परिचय या पारिवारिक संबंध का मोहताज नहीं होता। अनोखी सोच संस्था के अध्यक्ष प्रकाश साहू सहित मोती ताम्रकार,चन्द्र प्रताप सिंह,रूपेश बेहरा,पंकज चौधरी,विकास मिश्रा,अजय साहू,सावन विकास साहू, नितेश,अनिल दास एवं सौरभ दास ने इस मानवीय कार्य में सहभागिता निभाई। बेसहारा महिला को सम्मानजनक अंतिम विदाई देने की संस्था की इस पहल की सराहना हो रही है। उत्सव के बीच समाज के प्रति निभाई गई यह जिम्मेदारी बताती है कि मानवता का सबसे बड़ा धर्म है—उस व्यक्ति के साथ भी खड़ा होना,जिसका इस दुनिया में कोई अपना न हो।

जिले में धान खरीदी उत्सव शुरू,पहले दिन 13 किसानों ने बेचा 672.80 क्विंटल धान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,15 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के महत्वपूर्ण धान खरीदी उत्सव का शुभारंभ 15 नवंबर से जिले में हो गया है। खरीदी के पहले दिन जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों में कुल 13 किसानों ने 672.80 क्विंटल धान का टोकन कटाया।किसानों से धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेन्ड्राकला धान उपार्जन केंद्र में 6 किसानों ने 288.80 क्विंटल,खड़गांव में 3 किसानों ने 188.80 क्विंटल, राजापुर में 2 किसानों ने 106 क्विंटल, सलका में 1 किसान ने 15.20 क्विंटल तथा उदयपुर में 1 किसान ने 74 क्विंटल धान का टोकन कटाया है,इन किसानों से खरीदी की जा रही है।



'किसानों को घर बैठे मिलेगा टोकन : खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन जारी करने की व्यवस्था की है। इसके जरिए पंजीकृत किसान घर बैठे धान बिक्री के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी, जिससे किसानों को उपार्जन केंद्रों में लंबी कतारों में लगने से राहत मिलेगी। किसान गूगल प्ले स्टोर से तुंहर टोकन मोबाइल ऐप डाउनलोड कर अपनी सुविधा के अनुसार धान बेचने की तारीख का चयन कर टोकन बुक कर सकते हैं।

छोटे किसानों को मिलेगी प्राथमिकता- टोकन आवंटन के लिए उपार्जन केंद्रों की दैनिक खरीदी क्षमता का 70 प्रतिशत टोकन ऑनलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा शेष 30 प्रतिशत टोकन सहकारी समितियों के माध्यम से ऑफलाइन जारी किए जा रहे हैं। लघु एवं सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए ऑनलाइन टोकन व्यवस्था में 80 प्रतिशत टोकन छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए तथा 20 प्रतिशत टोकन बड़े किसानों के लिए आरक्षित रखे गए हैं। नियमों के अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 1 टोकन, 2 से 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 3 टोकन जारी किए जाने का प्रावधान है। निर्धारित खरीदी सीमा के तहत पात्र किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है।

किसानों से मोबाइल नंबर और आधार अपडेट रखने की अपील- खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने जिले के सभी पंजीकृत किसानों से अपने मोबाइल नंबर और आधार विवरण अद्यतन रखने की अपील की है। किसानों से निर्धारित समय-सीमा से पूर्व तुंहर टोकन मोबाइल ऐप का उपयोग कर अपना टोकन सुरक्षित करने का आग्रह किया गया है।

अन्नदाताओं ने स्वयं विधिवत पूजा-अर्चना कर किया धान खरीदी उत्सव का शुभारंभ,कलेक्टर ने तिलक-माला से किसानों का सम्मान कर दी शुभकामनाएं

-संवाददाता-
बलरामपुर,15 नवम्बर 2026
(घटती-घटना)।

जिले में धान खरीदी उत्सव 2026-27 का शुभारंभ कृषक बंधुओं ने स्वयं विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। बलरामपुर धान उपार्जन केंद्र में परंपरा के अनुरूप किसानों ने तौल मशीन और बांट की पूजा की,जिसके बाद कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने धान बेचने पहुंचे किसान श्री संतन सिंह एवं श्री संतोष यादव का तिलक लगाकर और माला पहनाकर सम्मान किया, उनका मुंह मीठा कराया तथा सभी कृषक बंधुओं को शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही धान की तौल कर खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की गई। प्रथम दिवस जिले के कई उपार्जन केंद्रों में सुबह से ही किसानों की चहल-पहल रही और जगह-जगह पूजा-अर्चना के साथ खरीदी प्रारंभ हुई। प्रथम दिवस वीरेंद्रनगर, रघुनाथनगर, बरदर, वाड्रफनगर,बसंतपुर, डोंगरो, बरियों, सरना, रामानुजगंज, जमड़ी,त्रिकुंडा,बलंगी,और रामनगर सहित कई समितियों में किसानों ने धान का विक्रय किया। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि समर्थन मूल्य पर किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान खरीदा जा रहा है।



उपार्जन केंद्रों में प्रति बोरा 40 किलोग्राम धान की भर्ती होगी तथा नए जूट बारदाने का वजन 545 से 626 ग्राम तक मान्य रहेगा। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे 'तुहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे टोकन प्राप्त करें और साफ-सुथरा, सूखा धान निर्धारित तिथि पर केंद्र में लेकर आएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का पूरा मूल्य पारदर्शी व्यवस्था के साथ मिले,यह प्रशासन की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र में संधारित टोकन, बारदाना, फड़ मुंशी, धान खरीदी, धान उठाव, रिजेक्ट, स्टॉक एवं निरीक्षण पंजी का अवलोकन किया तथा हमालों की अद्यतन स्थिति के लिए हमाल रजिस्टर में नियमित एंट्री सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। पहले दिन धान बेचने पहुंचे ओबरी के किसान श्री संतन सिंह ने बताया कि वे लगभग 7 एकड़ में खेती करते हैं और आज उन्होंने 50 क्विंटल (125 बोरा) धान समिति में बेचा है। उन्होंने कहा कि शासन के किसान हितैषी निर्णयों से किसान काफी खुश हैं। जतरो और अलगडीहा में खेती करने वाले किसान श्री संतोष यादव ने बताया कि उन्होंने आज 16 क्विंटल 40 किलो (41 बोरी) धान का विक्रय किया है और केंद्र की व्यवस्था सुगम रही।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अरूष अग्रवाल आ.श्री रजनीकांत अग्रवाल, उम्र 18 वर्ष निवासी इन्द्रा गांधी वार्ड 17. निगम गली अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा, छ.ग. एतद् द्वारा पुष्टि एवं घोषित करता हूं कि मैं अरूष अग्रवाल अपने इस पुराने नाम को बदलकर अपना नया नाम अरूष गोयल करवाना चाहता हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण दर्ज नहीं है। यदि मैं नाम बदलकर कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिए में स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। इस हेतु मेरे द्वारा शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया है।

हस्ताक्षर शपथग्रहिता
अरूष अग्रवाल
निवासी इन्द्रा गांधी वार्ड 17.
निगम गली,अम्बिकापुर तहसील
अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02 , जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 / ब-121 / 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सपना गुप्ता पुत्री जवाहरलाल गुप्ता, निवासी नेहरूवार्ड क्र0 25 अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ0ग0) की ओर से मुख्तार आम द्विजेन्द्र कुमार मिश्रा आ0 स्व0 जीवन नाथ मिश्रा, निवासी विवेकानंद नगर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0 ग0) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सरगवां स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 390 / 13 रकबा 0.020 हे0 भूमि आवश्यक कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक अर्जुन कुमार गुप्ता आ0 श्यामलाल गुप्ता, निवासी बासेनपारा, कपिलदेवपुर,तहसील प्रतापपुर,जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) को रू0 5,00,000/- (पांच लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/11 /2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 30/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

CMYK



'सुनिह अरज छठी मईया... बढ़े कुल-परिवार...' छठ घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल व विधायक भैयालाल भी पहुँचे छठ घाट क्षेत्र के लिए की मंगल कामनाएं...

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर छठव्रतियों ने की परिवार के सुख-समृद्धि और संतान के मंगल की कामना

बैकुंठपुर,चिरमिरी,सोनहत,पटना,चरचा,खरवत और कटगोड़ी सहित विभिन्न स्थानों पर भक्तिमय माहौल

जोड़तालाब,झुमका,गेज नदी,बड़ी बाजार, डोमनहिल, पोड़ी,झूमर तालाब और बुढ़ा सागर सहित नदी-तालाबों के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

छठ गीतों,दीपों और आतिशबाजी से जगमगाए घाट

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/चिरमिरी/सोनहत/पटना,
15 नवंबर 2026 (घटती घटना)।

'सुनिह अरज छठी मईया, बढ़े कुल-परिवार...'और 'छठी मईया देहलू असीसिया, चहके अंगना दुआर...'जैसे पारंपरिक छठ गीतों की मधुर स्वर लहरियों के बीच रविवार की शाम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्यदेव को प्रथम अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान के सुख-सौभाग्य,उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की। बैकुंठपुर से चिरमिरी,सोनहत, पटना, चरचा, खरवत और कटगोड़ी तक नदी-तालाबों के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, कहीं तालाबों के किनारे दीपों की कतारें सजीं तो कहीं नदी तट पर सामूहिक सूर्योपासना का दृश्य दिखाई दिया,पारंपरिक वेशभूषा में सजी व्रती महिलाएं सिर पर फल और पूजन सामग्री से सजे सूप तथा दउरा लेकर परिवार के सदस्यों के साथ घाटों तक पहुंचीं, पानी में खड़े होकर उन्होंने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और छठी मईया से परिवार के कल्याण की प्रार्थना की, घाटों पर बजते छठ गीत, शंखध्वनि,पूजा की घंटियां और श्रद्धालुओं की सामूहिक प्रार्थना ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र के लोग इस महापर्व में सहभागी बने,शाम ढलने के साथ ही घाटों पर आस्था और उत्साह का ऐसा संगम दिखाई दिया,जिसने छठ पर्व की सामूहिकता और पारिवारिक परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

बैकुंठपुर के जोड़तालाब और झुमका सहित घाटों पर उमड़ी भीड़

बैकुंठपुर नगर में छठ महापर्व को लेकर विशेष उत्साह रहा, जोड़तालाब,झुमका सहित नगर के विभिन्न तालाबों और जलाशयों के घाटों पर व्रती महिलाओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया,गढ़ेलपारा स्थित गेज नदी तट पर छठी मईया के भक्ति गीतों से वातावरण गूंजता रहा। यहां अर्घ्य से पहले गंगा आरती के माध्यम से आराधना की गई,श्रीराम मंदिर छठ घाट और अन्य पूजा स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, नगरपालिका परिषद की ओर से घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने की जानकारी सामने आई, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन समितियों और स्थानीय युवाओं ने भी व्यवस्थाओं में सहयोग किया। घाटों पर परिवार के सदस्य पूजन सामग्री से सजे सूप और दउरा लेकर पहुंचे तथा सामूहिक रूप से सूर्यदेव की आराधना की।

पटना में झूमर तालाब से बुढ़ा सागर तक छठ की धूम

पटना क्षेत्र में भी छठ महापर्व का उत्साह देखते ही बना, झूमर तालाब और बुढ़ा सागर तालाब सहित विभिन्न जलाशयों में व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, घाटों पर परिवार के सदस्य फल, नारियल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री लेकर पहुंचे,पारंपरिक गीतों के बीच सूर्योपासना का सिलसिला चलता रहा, कटगोड़ी के एसईसीएल तालाब और गोबरी जलाशय में भी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की,वहीं चरचा के नदी घाटों पर भी बड़ी संख्या में व्रती और उनके परिजन पहुंचे। पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के दौरान श्रद्धालुओं ने परिवार की खुशहाली और संतान की दीर्घायु की कामना की।

चिरमिरी के बड़ी बाजार,डोमनहिल और पोड़ी में दिखी सामूहिक आस्था

चिरमिरी क्षेत्र में बड़ी बाजार,डोमनहिल और पोड़ी सहित विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया, घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी और व्रती महिलाओं ने पारंपरिक विधि से सूर्यदेव को अर्घ्य दिया,छठ गीतों की गूंज और पूजा की तैयारियों ने पूरे क्षेत्र को पर्वमय बना दिया,परिवार के सदस्य सिर पर दउरा और सूप लेकर घाटों तक पहुंचे। फल, नारियल और पारंपरिक प्रसाद से सजे सूप के साथ व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य की उपासना की,कई स्थानों पर आतिशबाजी और गाजे-बाजे ने उत्सव के माहौल को और आकर्षक बना दिया।

सोनहत में गेज नदी तट पर सामूहिक सूर्योपासना-

सोनहत क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर भी छठ महापर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया,गेज नदी तट सहित अन्य तालाबों और जलाशयों पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही,गढ़ेलपारा में छठी मईया के भक्ति गीतों के बीच पूजा-अर्चना हुई, श्रद्धालुओं ने पारंपरिक सूप और दउरा में फल तथा पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया, घाटों पर परिवारों की सामूहिक भागीदारी ने पर्व की सामाजिक एकता को भी प्रदर्शित किया,एक साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर सूर्यदेव की आराधना की, यहां पूजा-अर्चना के साथ गंगा आरती का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहा।

36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत,अनुशासन और समर्पण की मिसाल- चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत शुक्रवार को नहाय-खाय से हुई,इसके बाद शनिवार को खरना का अनुष्ठान संपन्न हुआ,रविवार को व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को संध्या अर्घ्य अर्पित किया, सोमवार, 16 नवंबर की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन होगा,छठ व्रत की कठिन साधना में लगभग 36 घंटे का निर्जला उपवास विशेष महत्व रखता है,व्रती महिलाएं पूरी श्रद्धा, अनुशासन और नियमों का पालन करते हुए इस तपस्या को पूरा करती हैं,संतान की दीर्घायु,परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और जीवन में मंगल की कामना इस व्रत के प्रमुख भाव हैं।

सूप और दउरा में सजे फल,प्रसाद ने बढ़ाई पर्व की रौनक- छठ पूजा में प्रकृति से प्राप्त फल और सामग्री का विशेष महत्व है,केले,सेब,संतरा,मौसंबी,सिंघाड़ा, अनानास,बेर,सुथनी,लालकंदा,नारियल और गन्ना सहित विभिन्न फल सूर्यदेव को अर्पित किए जाते हैं,बांस के सूप और दउरा में सजाकर इन्हें घाटों तक पहुंचाया जाता है, इसके साथ ही पारंपरिक ठेकुआ और अन्य प्रसाद भी पूजा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं,पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल रही,श्रद्धालुओं ने पूजा सामग्री और फलों की खरीदारी की,छठ पर्व की तैयारियों में परिवार के सभी सदस्य सहभागी बने और घरों से लेकर घाटों तक उत्सव का माहौल दिखाई दिया।

सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ पूरा होगा महापर्व-रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित करने के बाद अब सोमवार, 16 नवंबर की सुबह व्रती उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य देंगे, इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा और व्रती पारण करेंगे,बैकुंठपुर,चिरमिरी,सोनहत,पटना, चरचा, खरवत और कटगोड़ी सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छठ महापर्व के दौरान दिखाई दिया उत्साह इस बात का प्रमाण रहा कि यह पर्व अब केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार,समाज,लोकसंस्कृति और प्रकृति को जोड़ने वाली सामूहिक परंपरा बन चुका है, डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर श्रद्धालुओं ने यह संदेश भी दिया कि आस्था में न अस्त का भेद है, न उदय का– प्रकृति के हर स्वरूप के प्रति कृतज्ञता ही छठ महापर्व की सबसे बड़ी पहचान है।

सुरक्षा, सफाई और रोशनी की व्यवस्थाओं पर रहा जोर- छठ महापर्व के दौरान घाटों पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्थानीय स्तर पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं पर ध्यान दिया गया, नगरपालिका परिषद बैकुंठपुर सहित विभिन्न स्थानों पर स्थानीय समितियों और युवाओं ने घाटों की व्यवस्था में सहयोग किया, घाटों पर रोशनी और पूजा के लिए स्थान तैयार किए गए। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं की गईं,दीपों से सजे घाटों का दृश्य शाम के समय विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

छठ गीतों ने बांधा समां, लोक परंपरा से जुड़ी नई पीढ़ी-छठ महापर्व की पहचान उसके पारंपरिक लोकगीतों से भी है, 'भइल भिनुसर अइल अरघ के बेरा, उगा हो सुरुजमल लेके अपन रथिया...' जैसे गीतों के माध्यम से महिलाएं सूर्यदेव और छठी मईया की आराधना करती रहीं,इन गीतों में परिवार की खुशहाली,संतान की लंबी आयु,सुख-समृद्धि और लोकजीवन की भावनाएं समाहित हैं, खास बात यह रही कि नई पीढ़ी के बच्चे और युवा भी परिवार के साथ घाटों तक पहुंचे और इस परंपरा से जुड़े दिखाई दिए।

मोहित पैकरा ने बताया प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व-जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया मोहित राम पैकरा ने जिलेवासियों को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आस्था के साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है, उन्होंने कहा कि घाटों पर श्रद्धालुओं का उत्साह और सामूहिक भागीदारी इस पर्व की महत्ता को दर्शाती है।

छठ पर्व जिलेवासियों के लिए शुभकारी हो, छठी मइया सभी को आशीष प्रदान करें : विनय उपाध्याय- छठ महापर्व के पावन अवसर पर चिरमिरी के सफल व्यवसायी एवं कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय ने जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं, उन्होंने छठी मइया से कामना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख,शांति,समृद्धि और खुशहाली लेकर आए तथा छठी मइया सभी पर अपनी कृपा और आशीष बनाए रखें, विनय उपाध्याय ने छठ पर्व को आस्था,श्रद्धा और समर्पण का महान पर्व बताते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति और सूर्य उपासना के साथ परिवार की सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की भावना का प्रतीक है, उन्होंने सभी व्रतियों और श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए पर्व के मंगलमय एवं शुभकारी होने की कामना की।

गुलाब कमरो ने कहा—आस्था का महाकुंभ है छठ पूजा- भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए इसे आस्था का महाकुंभ बताया,उन्होंने कहा कि इस पर्व का विस्तार लगातार बढ़ रहा है,नदी और तालाबों के घाटों पर सामूहिक रूप से सूर्योपासना का दृश्य श्रद्धा और भक्ति से मन को भर देता है।

अशोक जायसवाल ने की बेहतर स्वास्थ्य और प्रगति की कामना

बैकुंठपुर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल ने भी क्षेत्रवासियों को छठ पर्व की बधाई दी, उन्होंने छठी मईया से सभी के बेहतर स्वास्थ्य,सुख-समृद्धि और जीवन में निरंतर प्रगति की कामना की।

छठी मइया सभी को स्वस्थ और निरोगी रखें : देवेन्द्र तिवारी

कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने छठ महापर्व की जिलेवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं, उन्होंने छठी मइया से कामना की कि सभी के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे और हर व्यक्ति स्वस्थ एवं निरोगी रहे, देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि छठ पर्व की महिमा और लोगों की अटूट आस्था के कारण इसका विस्तार लगातार बढ़ रहा है,यह कठिन तपस्या, अनुशासन,समर्पण और अटूट विश्वास का महान पर्व है, उन्होंने सभी व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए छठी मइया से सबके कल्याण की कामना की।









श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री



भईयालाल राजवाड़े, विधायक बैकुंठपुर



मोहित राम पैकरा अध्यक्ष जिला पंचायत कोरिया



विनय उपाध्याय



गुलाब कमरो पूर्व विधायक भरतपुर सोनहत



अशोक जायसवाल,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर



देवेन्द्र तिवारी

प्रकृति और आस्था का अद्भुत संगम है छठ महापर्व

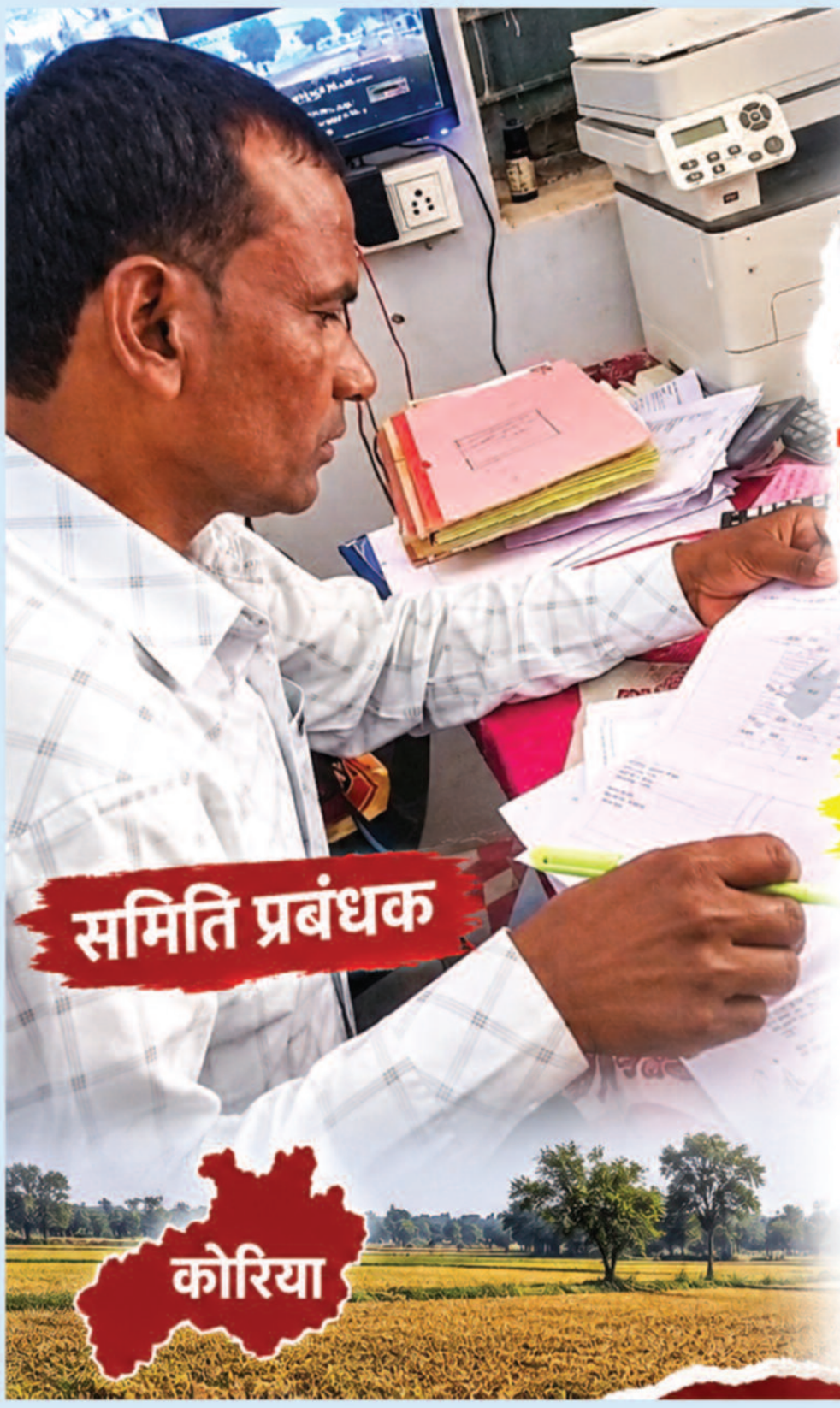
छठ महापर्व केवल सूर्यदेव की उपासना का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा भी है,इस पर्व में सूर्य,जल,वायु और धरती के प्रति सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, सूर्य की ऊर्जा से जीवन सचालित होता है और जल तथा प्रकृति के अन्य तत्व मानव जीवन के आधार हैं,छठ पूजा में इन्हीं प्राकृतिक शक्तियों के प्रति श्रद्धा और आभार व्यक्त किया जाता है,अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देना और अगले दिन उदीयमान सूर्य की उपासना करना इस पर्व की विशेष परंपरा है,अस्त और उदय, दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण पक्ष हैं,डूबते सूर्य को भी उसी श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है, जिस श्रद्धा से उगते सूर्य की पूजा होती है,यही परंपरा जीवन में निरंतरता,धैर्य और सकारात्मकता का संदेश देती है,पहले बिहार,झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से प्रचलित रहा यह पर्व अब देश के विभिन्न हिस्सों में व्यापक रूप से मनाया जाने लगा है,छत्तीसगढ़ में भी इसकी लोकप्रियता और सामूहिक भागीदारी लगातार दिखाई दे रही है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल बोले अस्त होना और उदय होना ही जीवन है...

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने छठ महापर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अस्त होना और उदय होना ही जीवन का स्वाभाविक क्रम है,डूब चुका सूर्य फिर उदय होता है,यही छठ पर्व की एक बड़ी सीख है,उन्होंने कहा कि यह पर्व मानवीय जीवटता,धैर्य और कठिन तपस्या का प्रतीक है,श्रद्धालु अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए पूरे उत्साह और आस्था के साथ व्रत का पालन करते हैं,उन्होंने कहा कि जीवन में हार नहीं मानकर आगे बढ़ते रहना चाहिए,छठी मईया से उन्होंने प्रदेश के सभी लोगों के सुख,स्वास्थ्य और प्रसन्नता की कामना की।

विधायक भैयालाल राजवाड़े ने दी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं...

बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों को छठ महापर्व की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है,उन्होंने कहा कि छठ पूजा प्रकृति की आराधना का पर्व है और वे भी इस आयोजन में शामिल होकर इस परंपरा का हिस्सा बनना नहीं भूलते,उन्होंने सभी श्रद्धालुओं के सुख,समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।



कोरिया की सहकारी समिति में शिकायत व्यवस्था पर बड़ा सवाल

आवेदन लेकर पहुंचा पीड़ित लेकिन समिति प्रबंधक ने लेने से किया इनकार !

जमीन विवाद, धान खरीदी और प्रशासनिक संवेदनहीनता का मामला

- पांच खसरों की 7.160 हे, कृषि भूमि को लेकर पारिवारिक विवाद
- धान विक्रय पर रोक लगाने सौंपना चाहता था आवेदन
- आवेदन स्वीकार नहीं करने का आरोप, पीड़ित ने बनाया वीडियो
- सहकारिता विभाग में पहुंची शिकायत, जांच की मांग



किसानों की समिति में किसान की शिकायत बेगानी!

प्रबंधक पर आवेदन लेने से इनकार का आरोप

धान खरीदी में दिलचस्पी,शिकायत सुनने में परहेज? समिति प्रबंधक की कार्यशैली पर सवाल

समिति का दरवाजा धान बेचने के लिए खुला,शिकायत लेकर पहुंचे तो बंद!

जमीन विवाद में आपत्ति देने पहुंचे किसान को कथित तौर पर लौटाया, वीडियो से खुल सकता है घटनाक्रम...

शिकायत सुनने से इनकार या जिम्मेदारी से बचने की कोशिश? सहकारी समिति प्रबंधन पर उठे सवाल

सहकारिता की कैसी व्यवस्था! किसान शिकायत लेकर पहुंचा, प्रबंधक ने आवेदन ही नहीं लिया

सहकारी समिति में शिकायत सुनने का अधिकार भी प्रबंधक की मर्जी पर?

जमीन विवाद में आपत्ति लेने से इनकार का आरोप, पीड़ित ने बनाया वीडियो,सहकारिता विभाग में पहुंची शिकायत

किसानों की सेवा के लिए बनी समिति में किसान की शिकायत ही नहीं हुई स्वीकार!

जब आवेदन लेने से ही परहेज तो न्याय की उम्मीद किससे करें? पांच खसरों की 7.160 हेक्टेयर पैतृक भूमि का विवाद अब समिति प्रबंधन की कार्यशैली तक पहुंचा

-रवि सिंह-

कोरिया,15 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)। सरकारी व्यवस्था में शिकायत करना नागरिक का अधिकार है और शिकायत सुनना प्रशासनिक जवाबदेही का हिस्सा,लेकिन जब शिकायत लेकर पहुंचने वाले व्यक्ति को ही दरवाजे से निराश लौटना पड़े तो सवाल केवल संबंधित अधिकारी या कर्मचारी की कार्यशैली पर नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की संवेदनशीलता पर खड़े होते हैं। कोरिया जिले में सहकारी समिति से जुड़ा एक ऐसा ही मामला सामने आया है,जहां पैतृक कृषि भूमि के विवाद को लेकर आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे व्यक्ति ने समिति प्रबंधक पर आवेदन स्वीकार करने से इनकार करने का आरोप लगाया है,पीड़ित ने कथित घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया है और अब मामले की शिकायत सहकारिता विभाग तक पहुंच गई है, विडंबना देखिए,जिस सहकारी समिति का मूल उद्देश्य किसानों के हितों से जुड़ी गतिविधियों को सुचारु बनाना है, उसी समिति में एक किसान अपनी समस्या लेकर पहुंचा तो आरोप है कि उसकी शिकायत को सुनने के बजाय आवेदन लेने से ही परहेज किया गया,अब सवाल यह है कि समिति में किसानों की समस्याओं का समाधान होता है या फिर शिकायतों को दरवाजे पर ही रोक देने की कोई अनौपचारिक व्यवस्था भी चल रही है?

पांच खसरे, 7.160 हेक्टेयर जमीन और परिवार के भीतर अधिकारों की लड़ाई

मामला कोरिया जिले के पोड़ी-बचरा तहसील क्षेत्र के ग्राम पोड़ी-बचरा का है,उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, खसरा नंबर 382,495,499,502 एवं 599 की कुल 7.160 हेक्टेयर कृषि भूमि को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच विवाद चल रहा है।

दस्तावेजों में भूमि का विवरण इस प्रकार दिया गया है...

खसरा नंबर	रकबा (हेक्टेयर)
382	0.720
495	4.600
499	0.100
502	0.410
599	1.230
कुल	7.160

आवेदक वीरेंद्र कुमार की ओर से प्रस्तुत न्यायालयीन दस्तावेजों में इस भूमि को पैतृक संपत्ति बताते हुए अपने अधिकार का दावा किया गया है,वहीं दूसरे पक्ष के साथ स्वामित्व,पारिवारिक बंटवारे और भूमि के उपयोग को लेकर विवाद होने की बात सामने आई है, यह विवाद अब न्यायालयीन प्रक्रिया तक पहुंच चुका है,ऐसे में दोनों पक्षों के दावे और वास्तविक अधिकार का निर्धारण न्यायालय तथा सक्षम राजस्व प्राधिकारी के निर्णय के अधीन है।

धान खरीदी के बीच जमीन विवाद, समिति में आपत्ति देने पहुंचे आवेदक

मामले का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि विवादित कृषि भूमि के आधार पर सहकारी समिति में धान विक्रय किए जाने की आशंका को लेकर आवेदक ने समिति प्रबंधन के समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत करने का प्रयास किया, 6 नवंबर 2026 को दिए गए आवेदन में आवेदक ने स्पष्ट रूप से अनुरोध किया कि जब तक भूमि विवाद का निराकरण नहीं हो जाता,तब तक संबंधित भूमि के आधार पर समिति में धान विक्रय और उक्त भूमि से संबंधित लेन-देन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, आवेदक की आशंका थी कि विवाद के दौरान यदि दूसरे पक्ष द्वारा भूमि के आधार पर धान विक्रय कर दिया जाता है तो इससे विवाद और बढ़ सकता है तथा उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है,अब यहां एक सीधा सवाल खड़ा होता है कि यदि किसी व्यक्ति को अपनी जमीन से संबंधित कृषि गतिविधियों पर आपत्ति है तो वह अपनी बात किसके सामने रखे? समिति में जाए तो आवेदन लेने से इनकार,विभाग में जाए तो जांच का इंतजार और न्यायालय जाए तो फैसला आने तक लंबी कानूनी प्रक्रिया। आखिर आम आदमी अपनी बात दर्ज कराने के लिए किस दरवाजे पर दस्तक दे?

प्रबंधक के पास आवेदन पहुंचा,लेकिन आरोप है कि आवेदन को ही नहीं मिली जगह!

पीड़ित का आरोप है कि वह संबंधित दस्तावेजों के साथ समिति प्रबंधक के पास पहुंचा और विवादित भूमि के संबंध में आपत्ति दर्ज कराने का प्रयास किया,लेकिन प्रबंधक ने उसका आवेदन स्वीकार नहीं किया,इस घटनाक्रम का वीडियो बनाए जाने की बात भी आवेदक ने कही है,यदि वीडियो में आवेदन प्रस्तुत करने और उसे स्वीकार करने से इनकार किए जाने की पुष्टि होती है तो यह निश्चित रूप से विभागीय जांच का विषय बनता है,यहां व्यंग्य का सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अब सरकारी और सहकारी संस्थाओं में शिकायत दर्ज कराने के लिए भी पहले प्रबंधक की इच्छा जानना जरूरी हो गया है? क्या शिकायत स्वीकार करने से पहले यह देखा जाएगा कि शिकायत करने वाला किस पक्ष का है, किसके विरुद्ध शिकायत कर रहा है और उससे समिति प्रबंधन को क्या परेशानी हो सकती है? नियम-कानून अपनी जगह हैं,किसी विवादित जमीन पर किसका अधिकार है इसका फैसला समिति प्रबंधक नहीं कर सकता। लेकिन किसी व्यक्ति की आपत्ति को सुनना,आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी तक पहुंचाना और उसकी पावती देना अलग विषय है,यदि आवेदन लेने से इनकार किया गया है तो उसका कारण भी सार्वजनिक होना चाहिए।

सहकारिता विभाग में शिकायत,अब जवाबदेही की बारी...

समिति स्तर पर कथित तौर पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जाने के बाद आवेदक ने 10 नवंबर 2026 को सहकारिता विभाग के अधिकारियों के समक्ष लिखित शिकायत प्रस्तुत की,शिकायत में समिति प्रबंधक के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उचित कार्रवाई की मांग की गई है,आवेदक ने मोबाइल से घटनाक्रम रिकॉर्ड किए जाने और संबंधित वीडियो के माध्यम से अपनी शिकायत को प्रमाणित करने की बात भी कही है,अब विभाग के सामने केवल शिकायत पर कार्रवाई करने का नहीं,बल्कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करने का सवाल है,क्या समिति प्रबंधक ने वास्तव में आवेदन लेने से मना किया? यदि हां,तो किस नियम के तहत? क्या आवेदक को लिखित रूप से कोई कारण बताया गया? क्या आवेदन स्वीकार कर उसे उच्च अधिकारियों के समक्ष भेजा जा सकता था? क्या समिति में विवादित भूमि के आधार पर धान विक्रय के लिए किसी पक्ष का पंजीयन है? इन सभी सवालों का जवाब विभागीय जांच से सामने आना चाहिए,समिति प्रबंधक जमीन का मालिकाना तय नहीं कर सकता,लेकिन शिकायत का रास्ता रोकने का अधिकार भी कहां से मिला? इस पूरे प्रकरण में एक कानूनी और प्रशासनिक अंतर समझना जरूरी है, सहकारी समिति का प्रबंधक किसी विवादित जमीन के स्वामित्व का फैसला नहीं कर सकता,न ही केवल किसी एक पक्ष के आवेदन पर बिना सक्षम आदेश के दूसरे पक्ष का धान विक्रय रोक सकता है,लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि किसी व्यक्ति की शिकायत को सुनने से ही इनकार कर दिया जाए। आपत्ति प्राप्त करना,उसका रिकॉर्ड रखना और अधिकार क्षेत्र के अनुसार संबंधित अधिकारी को भेजना एक पारदर्शी व्यवस्था का हिस्सा होना चाहिए, छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम,1960 की धारा 64 और 66 में सोसायटी के प्रबंधन एवं कारोबार से संबंधित पात्र विवादों के निपटारे की व्यवस्था है,हालांकि निजी भूमि के स्वामित्व का निर्णय संबंधित सक्षम न्यायालय या राजस्व प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र में आता है,इसलिए सवाल यह नहीं कि समिति प्रबंधक किसके पक्ष में फैसला करे,सवाल यह है कि क्या समिति प्रबंधक को किसी की शिकायत स्वीकार करने से ही इनकार कर देना चाहिए?

किसानों की संस्था में किसान की शिकायत ही बेगानी क्यों?

सहकारी समितियां किसानों की सुविधा और कृषि गतिविधियों के संचालन के लिए महत्वपूर्ण संस्थाएं हैं, किसान इन्हीं संस्थाओं के माध्यम से धान विक्रय,खाद-बीज और अन्य कृषि संबंधी सेवाओं से जुड़ते हैं, ऐसे में यदि किसी किसान या संबंधित पक्ष को कोई आपत्ति है तो उसकी बात सुनने की व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी धान खरीदी की व्यवस्था,लेकिन इस प्रकरण ने एक असहज सवाल खड़ा कर दिया है,यदि किसान अपनी समस्या लेकर समिति पहुंचे और उसकी शिकायत स्वीकार करने को लेकर ही विवाद पैदा हो जाए तो सहकारिता की भावना का क्या अर्थ रह जाता है? क्या समिति का दरवाजा केवल धान बेचने के समय खुलता है और शिकायत लेकर पहुंचने पर बंद हो जाता है? क्या किसानों की सुविधा के लिए बनी संस्थाओं में शिकायतों की भी कोई खरीदी होती है, या फिर यहां शिकायतों का भुगतान सीधे निराशा के रूप में किया जाता है? बहरहाल,यह व्यंग्यात्मक सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि संस्थाओं की विश्वसनीयता केवल उनके कामकाज से नहीं, बल्कि शिकायतों के प्रति उनके व्यवहार से भी तय होती है।

अब विभाग बताएगा,शिकायत सुनना व्यवस्था का हिस्सा है या प्रबंधक की मर्जी?

मामले में अब सहकारिता विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है,विभाग को शिकायत में लगाए गए आरोपों, उपलब्ध वीडियो,समिति के रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों के बयान के आधार पर निष्पक्ष जांच करनी चाहिए,साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि विवादित पांच खसरों की भूमि के आधार पर किसके नाम से धान विक्रय पंजीयन हुआ है,संबंधित भूमि पर वास्तविक कृषि गतिविधि कौन कर रहा है और किसी न्यायालय अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा कोई अंतरिम आदेश जारी किया गया है या नहीं,यदि समिति प्रबंधक ने आवेदन लेने से इनकार किया है तो इसके पीछे का कारण सामने आना चाहिए,यदि कोई वैधानिक बाधा थी तो आवेदक को उसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी, और यदि शिकायत लेने से इनकार करने का कोई उचित आधार नहीं था तो विभाग को जवाबदेही तय करनी चाहिए,क्योंकि लोकतांत्रिक और प्रशासनिक व्यवस्था में शिकायतकर्ता को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि वह अपनी समस्या लेकर किसी अधिकारी के पास नहीं, बल्कि उसकी निजी अदालत में पहुंचा है,अब देखना यह है कि सहकारिता विभाग इस मामले में शिकायतकर्ता की आवाज सुनता है या फिर शिकायत स्वीकार नहीं किए जाने की शिकायत को भी एक और नई शिकायत बनाकर फाइलों में रख दिया जाता है।

CMYK

निकाय चुनाव से पहले भाजपा का शक्ति प्रदर्शन,बैकुण्ठपुर के वार्डों में बैठकों का दौर

वार्ड-वार्ड पहुंचेगी भाजपा,निकाय चुनाव के लिए संगठन ने कसी कमर....

बैकुण्ठपुर की चुनावी बिसात पर भाजपा की तैयारी,बूथ से वार्ड तक सक्रियता बढ़ाने की कवायद





निकाय चुनाव की आहट के साथ भाजपा सक्रिय,वार्डवार बैठकों में बनी रणनीति

ट्रिपल इंजन के नारे के साथ निकाय चुनाव की तैयारी,भाजपा ने शुरू किया वार्डवार मंथन

नगरीय निकाय चुनाव से पहले भाजपा ने तेज की संगठनात्मक कवायद,वार्डों में बैठकों का दौर शुरू

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,15 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने बैकुण्ठपुर नगर पालिका क्षेत्र में अपनी संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं,चुनाव में बेहतर प्रदर्शन और संगठन को वार्ड स्तर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पार्टी ने वार्डवार बैठकों का सिलसिला शुरू कर दिया है,इन बैठकों में स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों,वार्डों की स्थिति,जनसंपर्क अभियान और चुनावी तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से चर्चा की जा रही है,भाजपा की इस कवायद को चुनाव से पहले संगठन को सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा जा रहा है,बैठकों में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि प्रत्येक वार्ड में पार्टी की पहुंच मजबूत हो और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया जाए।

वार्डवार रणनीति,बूथ स्तर तक सक्रियता पर जोर

बैठकों में चुनावी रणनीति के साथ-साथ वार्डों की वर्तमान स्थिति, स्थानीय समस्याओं,जनसंपर्क की रूपरेखा और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की जा रही है,कार्यकर्ताओं को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियां निभाने और अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने का आह्वान किया जा रहा है,इसके साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को आम जनता तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है,पार्टी नेताओं का कहना है कि संगठन की मजबूती केवल चुनाव के समय की गतिविधियों से नहीं, बल्कि लगातार जनता के बीच रहने और उनकी समस्याओं से जुड़ने से आती है।

कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही सफलता का आधार

चुनाव प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि चुनाव में सफलता के लिए कार्यकर्ताओं की एकजुटता,संगठन की मजबूती और जनता का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण है,इसी उद्देश्य से वार्ड स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है,उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए पूरी सक्रियता के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि वार्डवार बैठकों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाएंगे : देवेन्द्र तिवारी

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर सक्रिय है,संगठन वार्ड-वार्ड तक पहुंचकर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाएगा,उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन की ताकत के आधार पर पार्टी नगरीय निकाय चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी,उन्होंने ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रत्येक बूथ को मजबूत करना प्राथमिकता : कृष्णबिहारी जायसवाल-

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना तथा प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाना पार्टी की प्राथमिकता है,उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी दें और संगठन के साथ उनका जुड़ाव मजबूत करें।

बैठक में वरिष्ठ नेताओं सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद-वार्डवार बैठकों में चुनाव प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णबिहारी जायसवाल, चुनाव सह प्रभारी एवं महापौर मंजूषा भगत, पूर्व महापौर डमरू बेहरा,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा,जिला उपाध्यक्ष बसंत राय एवं अनिल साहू,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेष शिवहरे, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह,जिला मंत्री ईश्वर राजवाड़े एवं शारदा गुप्ता,जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े,मंडल अध्यक्ष अनिल खटिक,सत्कार प्रकोष्ठ जिला संयोजक भानुपाल,वरिष्ठ नेता मनोज गुप्ता,भाजयुमो जिलाध्यक्ष सतेन्द्र राजवाड़े,एनजीओ प्रकोष्ठ जिला संयोजक योगेन्द्र मिश्रा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कमलेश शर्मा,योग नीति आयोग प्रदेश संयोजक अरशद खान,नगरीय निकाय सह संयोजक प्रशांत गुप्ता, पार्षद संजय जायसवाल,किसान मोर्चा जिला महामंत्री जय चक्रधारी, शिक्षा प्रकोष्ठ जिला संयोजक गोकरण शुक्ला,मंडल महामंत्री रमन गुप्ता एवं हरिओम साहू,रवि त्रिपाठी तथा मंडल उपाध्यक्ष संतोष राजवाड़े सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चुनाव से पहले संगठन को सक्रिय करने की कोशिश

बैकुण्ठपुर नगर पालिका क्षेत्र में वार्डवार बैठकों के जरिए भाजपा संगठन चुनाव से पहले अपनी तैयारियों को व्यवस्थित करने में जुटा है,पार्टी का जोर बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने,स्थानीय मुद्दों को समझने और जनता से संपर्क मजबूत करने पर है,आने वाले दिनों में इन बैठकों के माध्यम से वार्डों की स्थिति और चुनावी रणनीति को और स्पष्ट करने की तैयारी है।

सरकारी राशन से चना बन्द होने के बाद चावल भी वितरण से गायब

राशन कार्डधारियों को खाद्यान्न लेने में हो रही परेशानी, क्या यही है,विष्णु का सुशासन : नागेश्वर यादव

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,15 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नागेश्वर यादव युवा कांग्रेस जिला महासचिव की बड़ी मांग खाद्य विभाग की राशन वितरण व्यवस्था को लेकर आम उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,जिले के कुछ राशन कार्डधारियों का राशन बंद हो गया है विशेष रूप से 22760 सीरीज के कई राशन कार्डों में खाद्यान्न का वितरण नहीं हो पा रहा है,इसके अलावा कई राशन कार्डों में परिवार के कुछ सदस्यों के नाम दर्ज होने के बावजूद उनके हिस्से का राशन नहीं मिल रहा है,इसके कारण गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, ज्ञात हो कि लगभग छः माह से सरकारी राशन दुकान से चना व शक्कर गायब होने के बाद अब राशन कार्डधारी जब उचित मूल्य



की दुकानों में राशन लेने पहुंचते हैं,तो कभी कार्ड में राशन बंद होने तो कभी परिवार के सदस्यों के नाम पर राशन प्रदर्शित नहीं होने की समस्या सामने आती है,इससे उपभोक्ता परेशान होकर दुकानों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

खाद्य विभाग से समाधान की मांग-आम उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग से मांग की है कि 22760 सीरीज के जिन राशन कार्डों का राशन बंद है,उनकी तत्काल जांच कर राशन पुनः चालू कराया जाए,साथ ही जिन राशन कार्डधारियों के परिवार के सदस्यों के नाम पर राशन नहीं मिल रहा है,उनकी समस्या का भी शीघ्र निराकरण किया जाए,गरीब परिवारों को मिलने वाला सार्वजनिक वितरण प्रणाली का राशन उनका अधिकार है,इसलिए विभाग को तकनीकी एवं अन्य त्रुटियों को दूर कर सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करनी चाहिए,ताकि आम जनता को परेशानी न उठानी पड़े।

सुशासन की सरकार-विष्णु देव साय की शुशासन की सरकार मे किसी वंचित लोगो को चावल न मिलना,गरीबी रेखा कार्ड वालो को शक्कर न मिलना और कई महीनों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान मे चना ना मिलना शुशासन की पोल खोलता है,ग्रामीण जनता पूछना चाहती है क्या यही है विष्णु का सुशासन?

खड़गवां के नव निर्मित स्वास्थ्य केंद्र

भवन के गुणवत्ता पर गंभीर सवाल?

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,15 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सैनिटरी एवं एसडब्ल्यूआर फिटिंग में कथित घटिया सामग्री का उपयोग,निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों की भूमिका जांच के घेरे में? खड़गवां में निर्माणाधीन नव निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। भवन निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं,विशेष रूप से सैनिटरी फिटिंग एवं एसडब्ल्यूआर पाइप फिटिंग में कथित तौर पर घटिया और गुणवत्ता विहीन सामग्री का उपयोग किए जाने की जानकारी सामने आ रही है। स्थानीय स्तर पर मिल रही जानकारियों के अनुसार,स्वास्थ्य केंद्र भवन में लगाए जा रहे सैनिटरी फिटिंग के सामान और एसडब्ल्यूआर फिटिंग की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होने की आशंका जताई जा रही है,यदि निर्माण कार्य में वास्तव



में निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है,तो यह न केवल सरकारी राशि के उपयोग पर सवाल खड़ा करता है,बल्कि भविष्य में स्वास्थ्य केंद्र भवन की उपयोगिता और मजबूती को भी प्रभावित कर सकता है।

विभागीय अधिकारियों की निगरानी पर उठे सवाल-सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान के भवन का निर्माण कराया जा रहा है, तो निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच कौन कर रहा है? क्या संबंधित विभाग के अधिकारी समय-समय पर निर्माण स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं? क्या सैनिटरी एवं एसडब्ल्यूआर फिटिंग में इस्तेमाल की जा रही सामग्री के गुणवत्ता प्रमाण-पत्र और तकनीकी मानकों की जांच की गई है? सूत्रों से निर्माण कार्य को लेकर विभिन्न जानकारियां सामने आ रही हैं,ऐसे में विभागीय अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली भी जांच के दायरे में आनी चाहिए?

स्वामी आत्मानंद विद्यालय सोनहत में बाल मेले की धूम,नन्हे हुनरमंदों ने सजाए स्वाद और रचनात्मकता के रंग

झालमुरी,पोहा,जलेबी,चॉकलेट और फ्रूट जूस के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

बच्चों की व्यावसायिक समझ और प्रबंधन कौशल देखकर अभिभावक हुए अभिभूत,प्राचार्य सहित विद्यालय स्टाफ ने बच्चों का बढ़ाया उत्साह

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),15 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच मिले, उनकी कल्पनाओं को उड़ान मिले और पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के व्यावहारिक अनुभवों से भी उनका परिचय हो,इसी उद्देश्य को साकार करता हुआ स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सोनहत में बाल मेले का आकर्षक एवं रंगारंग आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, मेहनत,आत्मविश्वास और व्यावसायिक कौशल का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि हर कोई उनकी प्रतिभा का कायल हो गया,विद्यालय परिसर में सजे रंग-बिरंगे स्टॉल,बच्चों की चहल-पहल, स्वादिष्ट व्यंजनों की खुशबू और उत्साह से भरे चेहरों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया, बाल मेले में बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर छोटी उम्र में भी बड़े हुनर का प्रदर्शन किया जा सकता है।



स्वाद के साथ हुनर का संगम बने बच्चों के आकर्षक स्टॉल-बाल मेले का सबसे बड़ा आकर्षण बच्चों द्वारा स्वयं तैयार किए गए और आकर्षक ढंग से सजाए गए विभिन्न खाद्य सामग्री के स्टॉल रहे, किसी स्टॉल पर चटपटी झालमुरी लोगों को अपनी ओर खींच रही थी,तो कहीं स्वादिष्ट पोहा, चॉकलेट और ताजगी से भरपूर फ्रूट जूस का आनंद लेने के लिए लोगों की भीड़ दिखाई दे रही थी। वहीं गरमा-गरम जलेबी की मिठास ने मेले की रौनक को और बढ़ा दिया,बच्चों ने न केवल खाद्य सामग्रियों की व्यवस्था की,बल्कि अपने स्टॉल की सजावट, ग्राहकों से संवाद, सामग्री की कीमत तय करने और बिक्री का हिसाब रखने जैसी जिम्मेदारियों को भी उत्साहपूर्वक निभाया,उनकी यह सक्रियता दर्शा रही थी कि बाल मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि भी है।

किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर सीखा व्यावहारिक जीवन का पाठ- इस बाल मेले की विशेषता यह रही कि इसमें बच्चों को कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर सीखने और अपनी क्षमताओं को परखने का अवसर मिला, स्टॉल संचालन के माध्यम से विद्यार्थियों ने टीम भावना,आपसी सहयोग,संवाद कौशल,आर्थिक लेन-देन, समय प्रबंधन और जिम्मेदारी निभाने जैसे महत्वपूर्ण गुणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया,वहीं कुछ स्टॉलों के माध्यम से बच्चों ने शैक्षणिक एवं रचनात्मक जानकारियां भी प्रस्तुत कीं,इस तरह बाल मेले में स्वाद, मनोरंजन और ज्ञान का सुंदर समन्वय देखने को मिला, बच्चों के आत्मविश्वास और अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के अंदाज ने यह संदेश दिया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना भी है।

अभिभावकों और ग्रामीणों की उमड़ी सहभागिता,बच्चों का बढ़ाया उत्साह-



बच्चों की मेहनत और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीणजन भी बाल मेले में पहुंचे,उन्होंने बच्चों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया, विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया,खास बात यह रही कि बच्चों को जब अपने हाथों से तैयार की गई सामग्री लोगों को परोसने और उसकी बिक्री करते देखा गया,तो अभिभावकों के चेहरों पर भी गर्व और प्रसन्नता साफ झलक रही थी, ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने बच्चों के आत्मविश्वास को और मजबूत किया, विद्यालय परिसर में पूरे समय उत्साह, उमंग और आपसी मेलजोल का वातावरण बना रहा।

बेहतरीन स्टॉल को मिला पुरस्कार, प्रतिभागियों का बढ़ा मनोबल-आयोजन के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों की मेहनत,स्टॉल की आकर्षक सजावट,बेहतर व्यवस्थापन,रचनात्मकता और प्रस्तुति के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों का चयन किया गया, चयनित स्टॉलों को विद्यालय परिवार की ओर से पुरस्कृत कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया गया,पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उपलब्धि का भाव दिखाई दिया,वहीं अन्य प्रतिभागियों ने भी भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया, पुरस्कार वितरण की इस पहल ने बच्चों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा,मेहनत और सामूहिक प्रयास के महत्व का संदेश दिया।

प्राचार्य सहित विद्यालय स्टाफ ने दी शुभकामनाएं,बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना-बाल मेले के सफल आयोजन पर विद्यालय के प्राचार्य आर के,मिश्रा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय स्टाफ ने विद्यार्थियों की मेहनत,लगन और रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं, उन्होंने बच्चों के उत्साह और सहभागिता को सराहनीय बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, विद्यालय परिवार ने इस तरह की गतिविधियों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया,शिक्षकों के मार्गदर्शन और बच्चों की सक्रिय भागीदारी से आयोजित यह कार्यक्रम सीखने,समझने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सुंदर अवसर बनकर सामने आया।

यादगार बना बाल मेला,बच्चों की प्रतिभा को मिला नया मंच-स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सोनहत में आयोजित यह बाल मेला महज खान-पान और मनोरंजन का आयोजन बनकर नहीं रहा, बल्कि इसने बच्चों को आत्मनिर्भरता, रचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव कराया, बच्चों ने अपने छोटे-छोटे प्रयासों से यह दिखा दिया कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती, जरूरत होती है तो केवल एक बेहतर मंच और प्रोत्साहन की। अभिभावकों, ग्रामीणों और विद्यालय परिवार की सहभागिता से यह आयोजन सोनहत के शैक्षणिक वातावरण में एक यादगार और प्रेरणादायक पहल के रूप में सामने आया।

CMYK

प्रदेश में धान खरीदी प्रारंभ...360 नए उपार्जन केंद्रों के साथ कुल संख्या बढ़कर हुई 3100

भगवान बिरसा मुंडा और जनजातीय जननायकों के संघर्ष एवं बलिदान से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण कर रहे हैं : मुख्यमंत्री साय

बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान,भय और हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का नया वातावरणः नितिन नवीन







रायपुर,15 नवम्बर 2026। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अपनी संस्कृति, स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं,बल्कि महान जनजातीय नायकों के संघर्ष,त्याग और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने आज रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की पावन धरती है। नवीन ने कहा कि उनकी हार्दिक इच्छा इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने की थी,लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके। नवीन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को भव्य आयोजन के लिए विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और परंपराओं को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ प्रदेशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह ने पूरे छत्तीसगढ़ में गौरव और आत्मसम्मान का वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक सहित देश के महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। नवीन ने कहा कि जनजातीय समाज सदैव भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की जनजातीय परंपरा आज पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायी है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के गोंड,उरांव, कंवर,बैगा,कमार,हल्बा,मुरिया और माड़िया सहित सभी जनजातीय समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि इन समुदायों की लोककलाएँ, लोकनृत्य,पर्व और परंपराएँ छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति को देश-दुनिया में नई पहचान मिल रही है। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के सम्मान,सशक्तिकरण और विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रमुख स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का विराजमान होना पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और लगभग 24 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान वाली पीएम-जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय बहुल गाँवों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय समाज को विकास योजनाओं का लाभ देने के साथ ही नेतृत्व के अवसर भी प्रदान किए हैं। छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय और ओडिशा में मोहन चरण माझी का मुख्यमंत्री के रूप में नेतृत्व करना इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। नवीन ने बस्तर में आ रहे सकारात्मक परिवर्तन की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व,केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रयासों से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक सफलताएँ मिली हैं। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, छत्तीसगढ़ सरकार और वीर सुरक्षाबलों को बधाई दी। उन्होंने नक्सली हिंसा में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। नवीन ने कहा कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उन्हें नक्सली हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलवाया था। उन परिवारों की पीड़ा, आँसू और संघर्ष को देखकर उन्हें इस अभियान की कठिनाइयों का गहराई से एहसास हुआ। नक्सलवाद के विरुद्ध यह संघर्ष केवल हिंसा समाप्त करने का नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में सम्मान,सुरक्षा और शांति लौटाने का संकल्प है। नवीन ने कहा कि बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी बंदूकों की आवाज सुनाई देती थी,वहाँ आज खेल के मैदान तैयार हो रहे हैं।

बच्चे और युवा शिक्षा,खेल तथा कौशल के माध्यम से अपने सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने बस्तर के युवाओं के हाथों में बंदूक के स्थान पर खेल का सामान और हिंसा के स्थान पर नई उम्मीदें देने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जब बंदूक की जगह खेल का मैदान लेता है,हिंसा की जगह शिक्षा लेती है और भय की जगह विश्वास पैदा होता है,तब उस क्षेत्र के विकास को कोई रोक नहीं सकता। आज बस्तर के युवा इसी सकारात्मक परिवर्तन के प्रतीक बन रहे हैं। नवीन ने कहा कि वर्ष 2024 में बस्तर ओलंपिक में डेढ़ लाख से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी ने बस्तर के युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को नई पहचान दी।

भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय समाज का सम्मान, उसकी गौरवशाली संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण तथा प्रत्येक जनजातीय परिवार तक विकास पहुँचाना हमारी सरकार का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास,आर्थिक सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा सहित हमारे महान जनजातीय जननायकों ने जिस स्वाभिमानी, सशक्त और समृद्ध समाज का सपना देखा था,उसे साकार करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा, भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर तथा तीर-धनुष एवं पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ जनजातीय समाज के लोगों का उत्साहवर्धन किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री साय सहित मंचस्थ अतिथियों और उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर दिए गए वर्चुअल संबोधन का श्रवण किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की तीन करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान,सशक्तिकरण और विकास को नई दिशा मिली है।

किसानों के हित में बड़ा निर्णय कम धान बेचने पर भी मिलेगी पूरी आदान सहायता राशि

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने समारोह में किसानों के हित में राज्य सरकार के महत्वपूर्ण निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि अब प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी पूरी आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की आदान सहायता राशि मिलेगी। इससे विशेष रूप से कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों के लघु, सीमांत और जनजातीय किसानों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 15 नवंबर से प्रदेशभर में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान खरीदी प्रारंभ हो गई है। किसानों की सुविधा के लिए राज्य सरकार ने 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही प्रदेश में धान खरीदी केंद्रों की कुल संख्या बढ़कर 3,100 हो गई है। उन्होंने कहा कि नए उपार्जन केंद्रों से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और केंद्रों में अनावश्यक भीड़ तथा लंबी कतारों से राहत मिलेगी। राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, कृषि लागत में राहत देने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की खुशहाली ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का आधार है। समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह एवं श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, कांकेर सांसद भोजराज नाग, पद्मसम्मानित श्रीमती बुधरी ताती, जागेश्वर यादव एवं पंडी राम मंडावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जनजातीय समाज के प्रमुख और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रायपुर में कारोबारी से 4.55 करोड़ की ठगी

केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर पर एफआईआर,कोयला खदान में पार्टनर बनाने का दिया था झांसा

रायपुर,15 नवम्बर 2026। रायपुर में कोयला खनन कारोबार में पार्टनर बनाने और मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से 4.55 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर अमन नारायण सिंह ने कोरबा जिले की खदान में साझेदारी का प्रस्ताव देकर कारोबारी से 4 करोड़ 55 लाख 25 हजार 296 रुपए लिए। रकम मिलने के बाद न तो निवेश का पैसा लौटाया और न ही मुनाफे का हिसाब दिया। इसके बाद कारोबारी ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, ऐश्वर्या रेसिडेंसी के अक्षत राजन श्री डायमंड इंडस्ट्रीज के संचालक हैं। कुछ समय पहले उनकी पहचान केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर अमन नारायण सिंह से हुई थी। आरोप है कि अमन ने उन्हें कोरबा जिले के पाली स्थित सरायपाली ओपन कास्ट कोल माइन में बिजनेस पार्टनर बनाने का प्रस्ताव दिया। उसने कारोबार में हिस्सेदारी के साथ निवेश की रकम और अच्छा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया।



अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए 4.55 करोड़

प्रस्ताव पर भरोसा कर अक्षत ने आरोपी के अलग-अलग बैंक खातों में ऋ्लतस् और हृश्वस्त्रज्ञ के जरिए कुल 4,55,25,296 रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद वे खदान के कामकाज में भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। वर्ष 2023-24 में माइनिंग से जुड़े कामों के लिए ईंधन, मशीनों के रखरखाव और दूसरी जरूरी व्यवस्थाओं पर भी उन्होंने अतिरिक्त रकम खर्च की।

14 नवंबर को थाने पहुंचा कारोबारी, एफआईआर दर्ज : लगातार कोशिशों के बाद भी रकम वापस नहीं मिलने पर अक्षत ने 14 नवंबर को तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने केएनएस विनायक माइनिंग के डायरेक्टर अमन नारायण सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 316 और 61 के तहत एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल पुलिस मामले में लेन-देन और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है।

पैसे और मुनाफे का हिसाब मांगने पर टालने लगा : शिकायत में बताया गया है कि जब अक्षत ने निवेश की मूल रकम और मुनाफे का हिसाब मांगा तो आरोपी टालमटोल करने लगा। पिछले एक-दो साल से लगातार पैसे मांगने के बावजूद रकम नहीं लौटाई गई। कारोबारी को लेन-देन और खदान में हुए खर्चों का हिसाब भी नहीं दिया गया। आखिरकार आरोपी ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया।

ओडिशा से महाराष्ट्र जा रहा था 130 किलो गांजा

छत्तीसगढ़ पुलिस ने 5 तस्करों को दबोचा,2 कार जब्त

धमतरी,15 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने करीब 130 किलो गांजा जब्त किया है।

साथ ही 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल की कीमत 60 लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं तस्करी में इस्तेमाल की जा रही 2 कारों को भी जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। वे दो कारों में गांजा भरकर ओडिशा से महाराष्ट्र जा रहे थे। इसी दौरान अर्जुनी थाना और साइबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी का खुलासा किया। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों कारों को रोका और तलाशी के दौरान करीब 130 किलो गांजा बरामद किया। इसके बाद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मामले में गांजा तस्करी के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।



गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी : कुंदन उर्फ सचिन ईगेड़े, पिता कैलाश ईगेड़े (27 वर्ष) निवासी ग्राम मलकापुर वागुढ़, जिला बुलढाणा, महाराष्ट्र। रामेश्वर दांडगे, पिता सालिक राम (31 वर्ष) निवासी संभाजी नगर हाईवे, जलगांव, महाराष्ट्र राबिनसंन लारेंस, पिता फर्नांडीस लारेंस (32 वर्ष) निवासी वेललाड़े, जलगांव, महाराष्ट्र लखन बेलदार, पिता गुलाब बेलदार (34 वर्ष) निवासी वेललाड़े, जलगांव, महाराष्ट्र गणेश पाटिल, पिता विजय पाटिल (29 वर्ष) निवासी वेललाड़े जलगांव, महाराष्ट्र।

रायपुर के फूड पार्क में लगी आग,2 सिलेंडर ब्लास्ट...



रायपुर,15 नवम्बर 2026। रायपुर के राजेंद्र नगर स्थित फूड पार्क में आग लग गई। आग की चपेट में करीब आधा दर्जन दुकानें आ गई हैं। इस दौरान मौके पर रखे दो गैस सिलेंडर भी ब्लास्ट हो गए। सिलेंडर फटने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आग फैलने के कारण आसपास की दुकानों को भी खतरा पैदा हो गया। फिलहाल आग से हुए नुकसान का आकलन नहीं किया गया है। घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

छत्तीसगढ़ में डूबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य...गन्ने के मंडप में पूजा, सूप में ठेकुआ-फल सजाए,आज उगते सूर्य को अर्घ्य देंगी छठव्रती

रायपुर,15 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ में लोक आस्था के महापर्व छठ पर रविवार शाम घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। व्रती महिलाएं सूप और दउरा में फल, ठेकुआ और प्रसाद सजाकर घाट पहुंची। ढोल-नगाड़ों के बीच डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बिलासपुर में अरपा नदी के तट पर 1 किलोमीटर लंबा घाट तैयार किया गया है,जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। यहां 5100 दीप जलाकर महाआरती की जाएगी। रायपुर में महादेव घाट जाने वाले रास्ते में 1 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था।

उत्तरप्रदेश से भी पहुंचे श्रद्धालु

बिलासपुर में उत्तर प्रदेश से पहुंची प्रीति राय ने बताया कि उन्होंने अपने पड़ोसियों को छठ पूजा की तैयारियों और आयोजन में पूरी मदद की।



समिति के अध्यक्ष बोले...छठ पूजा में पंडित की जरूरत नहीं...

बिलासपुर छठ पूजा आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र दास ने कहा कि छठ पूजा में पंडित जी की कोई व्यवस्था नहीं होती है। भक्त सीधे भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। मनोकामना पूर्ति के लिए छठी मैया की पूजा की जाती है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर आज पूरा होगा छठ व्रत

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु घाटों से लौटने लगे हैं। अब कल सुबह उगते सूर्य को इसी घाट पर अर्घ्य देकर व्रती अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा करेंगे।

रायगढ़ में डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया

रायगढ़ में केलो नदी के किनारे स्थित छठ घाटों पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। जूटमिल क्षेत्र में सबसे बड़ा छठ घाट है। इसके अलावा एसईसीएल रोड और बेलाडुला के खर्राघाट स्थित छठ घाटों पर भी शाम होते ही हजारों श्रद्धालु पहुंचे और छठी मैया की पूजा की।

श्रद्धालु बाजे-गाजे के साथ पहुंचे...

बेमेतरा शहर के बंधवा तालाब में श्रद्धालु बाजे-गाजे के साथ पहुंचे। व्रती महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों से भगवान सूर्य की पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

श्रद्धालु बोले- छठी मैया की पूजा से पूरी होती हैं मनोकामनाएं...

भिलाई में श्रद्धालुओं ने बताया कि मान्यता है कि छठी मैया की पूजा करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। रविवार शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

छठी मैया और सूर्यदेव की पूजा की गई...

बिलासपुर में घरों में आम की लकड़ी से तैयार ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद नए सूप और टोकरी में सजाकर श्रद्धालु छठ घाट पहुंचे। यहां छठी मैया और सूर्यदेव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। जशपुर में व्रती महिलाएं और पुरुष परिजनों के साथ नदी, तालाब और जलाशयों के घाटों पर पहुंचे। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

CMYK

छत्तीसगढ़ शासन



किसानों के सम्मान और समृद्धि का उत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

धान खरीदी उत्सव 2026-27

15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ

प्रदेश के सभी **3,100 उपार्जन केंद्रों पर होगी खरीदी**

₹3,100 प्रति क्विंटल
की दर से धान खरीदी

₹13,839 प्रति एकड़
की दर से आदान सहायता

21 क्विंटल से कम
धान बेचने पर भी मिलेगी
पूरी आदान सहायता राशि

25.49 लाख कृषक एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीकृत
कृषकों को **नहीं कराना होगा दोबारा पंजीयन**

कृषक कल्याण की
विभिन्न योजनाओं से
₹ 1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
25 लाख किसान
लाभान्वित



बायोमेट्रिक प्रणाली से
पारदर्शी खरीदी व्यवस्था

तुंहर टोकन ऐप से
घर बैठे टोकन व्यवस्था



24x7
उपलब्ध

सम्वाद 49792/60

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)